दैनिक शुभ भास्कर

उप्र व मप्र से प्रकाशित

हर कदम आपके साथ......

e-mail dailyshubhbhaskar@gmail.com

RNI. N. UPHIN/2015/64737

वर्ष - 13 अंक- 140 | झांसी 24/शनिवार /अप्रेल/2021 | पृष्ठ -8 मुल्य -3 रूपये

संक्षेप में...

कोरोना के कारण अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण स्थगित

जम्मू। देश में तेजी से फैल रहे कोविड -19 संक्रमण को देखते हुए श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) ने गुरुवार को अमरनाथ गुफा मंदिर में इस साल की यात्रा के लिए पंजीकरण को अस्थायी रूप से निलंबित करने का फैसला किया है। एसएएसबी ने कहा, देश में कोविड की स्थिति को देखते हुए और सभी आवश्यक एहतियाती कदम उठाने की आवश्यकता के मद्देनजर, श्री अमरनाथजी यात्रा के लिए पंजीकरण अस्थायी रूप से निलंबित किया जा रहा है। स्थिति की लगातार निगरानी की जा रही है और स्थिति में सुधार होते ही इसे फिर से खोल दिया जाएगा। कश्मीर में इसबार यह वार्षिक तीर्थयात्रा 28 जून को शुरू होने वाली थी।

गुरुग्राम में शराब की दुकान से 1.25 लाख रुपये की लूट

गुरुग्राम। चार अज्ञात व्यक्तियों ने गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड पर एक टोल प्लाजा के पास मंगलवार और बुधवार की रात को एक शराब की दुकान में धावा बोल दिया और बंदूक की नोक पर 1.25 लाख रुपये नकद, दो मोबाइल फोन और तीन शराब की बोतलें लूट ली। शराब की दुकान के प्रभारी दिल्ली निवासी कविराज ने डीएलएफ फेज -1 पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ता ने बताया कि मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात चार हथियारबंद लोगों ने शराब की दुकान में धावा बोला और सेल्समैन नरेश और ड्राइवर संजीव से बंदूक की नोक पर 1.25 लाख रुपये, दो मोबाइल फोन और तीन शराब की बोतलें लूट ली। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया, "लोगों ने चालक को अपनी कार में बंधक बना लिया और उसे बांधवारी पुलिस स्टेशन के सामने फेंक दिया और मौके से फरार हो गए।"

सीपीएम नेता सीताराम येचुरी के बेटे का कोरोना से निधन

नई दिल्ली। सीपीएम महासचिव सीताराम येचुरी के बेटे की कोरोना से मौत हो गई है। येचुरी ने गुरुवार को खुद ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कोरोना के कारण उनके बड़े बेटे आशीष येचुरी का गुरुवार सुबह निधन हो गया। येचुरी के बेटे का अस्पताल में इलाज चल रहा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, येचुरी के बड़े बेटे आशीष की उम्र करीब 35 साल थी। उन्हें दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां दो हफ्ते से उनका इलाज चल रहा था। हालांकि, स्थिति गंभीर होने पर उन्हें मेदांता अस्पताल में भर्ती करवाया गया था।

ट्रेन में सफर कर रहे दो यात्रियों की संदिग्ध हालात में मौत

गया। बिहार के गया होकर गुजर रही राजधानी एक्सप्रेस तथा जोधपुर एक्सप्रेस में सफर के दौरान दो यात्रियों की मौत हो गई। इन्हें गया जंक्शन पर उतारा गया। मरनेवालों में नई दिल्ली-सियालदह राजधानी एक्सप्रेस में 67 वर्षीय यात्री एनसी प्रमाणिक तथा जोधपुर एक्सप्रेस में जोधपुर के रहने वाले 48 वर्षीय यात्री तपन विश्वास हैं। गया जंक्शन आरपीएफ को सूचना मिली थी कि 02386 जोधपुर-हावड़ा एक्सप्रेस के कोच संख्या एच ए-वन के बर्थ संख्या छह पर जोधपुर से बर्दवान के लिए यात्रा कर रहे तपन विश्वास (48) की मौत कोच के बाथरूम में हो गई।

कोरोना पर खोखले भाषण नहीं, समाधान चाहिए : राहुल

नई दिल्ली। देश में जारी कोरोना वायरस संकट के बीच कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक बार फिर से मोदी सरकार पर हमला बोला है। राहुल गांधी ने गुरुवार को ट्वीट के जरिए कहा कि कोरोना महामारी से निपटने के लिए 'झूठे उत्सव' और खोखले भाषण की नहीं, बल्कि समाधान की जरूरत है। कांग्रेस नेता ने ट्वीट किया, 'घर पर क्वारंटाइन हूं और लगातार दुखद समाचार आ रहे हैं। भारत में संकट सिर्फ. कोरोना वायरस ही नहीं है, बल्कि केंद्र सरकार की जन विरोधी नीतियां भी हैं। झूठे उत्सव व खोखले भाषण नहीं चाहिए, देश को समाधान दो!' राहुल गांधी इन दिनों कोरोना वायरस से संक्रमित हैं।

अमेरिका का भारत की यात्रा के लिए हेल्थ नोटिस जारी

वाशिंगटन। भारत में कोरोना की दूसरी लहर के बीच अमेरिका ने भारत की यात्रा के लिए चौथे स्तर का हेल्थ नोटिस जारी किया है। अमेरिकी सीडीसी के परामर्श के अनुसार, भारत यात्रा परामर्श के चौथे स्तर में है। अमेरिका ने भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के लगातार बढ़ रहे मामलों के मद्देनजर यहां की यात्रा नहीं करने को कहा है। अमेरिका के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) ने कोविड-19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर भारत के लिए चौथे स्तर का यात्रा स्वास्थ्य नोटिस जारी किया है, जो देश में कोरोना वायरस संक्रमण के उच्च स्तर का संकेत देता है। सीडीसी ने बुधवार को अमेरिकी विदेश मंत्रालय को इस बारे में सूचित किया। कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर भारत ही नहीं मित्र देश भी पूरी तरह से नजर रखे हुए हैं। अमेरिका के विदेश विभाग ने कहा है कि बढ़ते संक्रमण को लेकर अमेरिका भी चिंतित है और हर रोज की स्थिति को गहनता से देख रहा है। भारत में बढ़ते कोरोना मामलों पर अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने बताया कि सोमवार को विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन और भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की इसी मुद्दे पर विस्तार से वार्ता हुई है। नेड प्राइस ने कहा कि भारत मित्र देश है हमसे जो संभव होगा, वह करेंगे।

देश के कई राज्यों में ऑक्सीजन खत्म होने के कगार पर, मरीजों को जबरन कर रहे डिस्चार्ज

दिल्ली-एनसीआर में ऑक्सीजन खत्म, अस्पतालों में हाहाकार

दिल्ली-एनसीआर के अस्पतालों में कहीं डिस्चार्ज किए जा रहे मरीज तो कहीं भर्ती लेना बंद, मरीजों पर संकट, हाल बताकर रो पड़े अस्पताल के सीईओ

■ **नईदिल्ली**

जैसे-जैसे कोरोना संकट भीषण होता जा रहा है, वैसे-वैसे देश के अधिकांश राज्यों में ऑक्सीजन को लेकर हाहाकार बढ़ता जा रहा है। ऑक्सीजन के अभाव में लगातार मौतें हो रही हैं और सभी सरकारें असहाय साबित हो रही हैं। राज्य सरकारें केंद्र से ऑक्सीजन के लिए गुहार लगा रही हैं, लेकिन केंद्र सरकार को खुद असहाय साबित हो रही है। दिल्ली-एनसीआर में कोरोना महामारी के इलाज में जुटे अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी से हाहाकार मचने लगा है। कई अस्पतालों में ऑक्सीजन पूरी तरह खत्म होने से मरीजों की जान पर बन आई है। गंभीर होती स्थिति को के मद्देनजर जहां दिल्ली के शांति मुकुंद अस्पताल ने ऑक्सीजन की कमी के चलते अपने यहां भर्ती मरीजों को अब डिस्चार्ज करना शुरू कर दिया है। शांति मुक्त अस्पताल के सीईओ सुनील सग्गर ने कहा कि अस्पतालों में ऑक्सीजन संकट के कारण दिल्ली बुरी तरह प्रभावित है। ऑक्सीजन की किल्लत को देखते हुए हमने डॉक्टरों से जिन भी मरीजों को छुट्टी दे सकते हैं उन्हें डिस्चार्ज करने का अनुरोध किया है। हमारे यहां करीब 2 घंटे के लिए ऑक्सीजन बची है। हम छोटे ऑक्सीजन सिलेंडरों और दबाव कम करके किसी तरह काम चला पा रहे हैं। हमारे अस्पताल में फिलहाल 110 मरीज ऑक्सीजन सपोर्ट पर हैं और 12 मरीज वेंटिलेटर पर हैं। इनमें से 85 मरीजों को प्रति मिनट करीब 5 लीटर ऑक्सीजन सप्लाई की जरूरत पड़ रही है।

हालात के बारे में बताते हुए भावुक हुए डॉ. सग्गर ने कहा कि आज स्थिति बेहद डरावनी और दुर्भाग्यपूर्ण है। हम डॉक्टर हैं जो मरीजों को जीवन देते हैं, लेकिन आज हम उन्हें इलाज तो क्या ऑक्सीजन तक नहीं दे पा रहे हैं। ऐसा ही चलता रहा तो मरीज मर जाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट सख्त, केंद्र सरकार से प्लान मांगा

कोविड-19 की दूसरी लहर से संघर्ष कर रहे देश के संकटपूर्ण हालात के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र से जवाब तलब किया। मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए कोर्ट ने केंद्र को नोटिस जारी कर नेशनल प्लान की मांग की। जिसमें संक्रमित मरीजों के लिए आवश्यक दवाइयां व ऑक्सीजन की सप्लाई को लेकर भी जवाब मांगा है। चीफ जस्टिस एस ए बोबडे की अगुआई में मामले की सुनवाई कर रही बेंच ने कहा कि कोविड-19 वैक्सीनेशन की प्रक्रिया से जुड़े मामलों पर भी विचार किया जाएगा। इस बेंच में जस्टिस एलएन राव और एसआर भट्ट भी शामिल हैं। कोर्ट ने केंद्र से सवाल किया कि उनके पास महामारी कोविड-19 से निपटने के लिए क्या योजना है। सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट में बताया कि देश में ऑक्सीजन की काफी जरूरत है। कोर्ट ने इस मामले में हरीश साल्वे को एमिकस क्यूरी भी नियुक्त किया है। सुप्रीम कोर्ट ने चार अहम मुद्दों पर केंद्र सरकार से नेशनल प्लान मांगा है।

दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में छिड़ी जंग

अस्पतालों में आक्सीजन की भारी कमी के कारण दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के बीच टकराव की स्थिति बन गई है। दिल्ली ने उत्तर प्रदेश से आक्सीजन की आपूर्ति न होने की बात कही, तो उत्तर प्रदेश के अधिकारियों ने यह कहकर पलटवार किया कि दिल्ली ने प्रमुख आक्सीजन सप्लायर आइनाक्स से अपने कोटे से अधिक आक्सीजन ले ली है। सांसों के लिए जरूरी आक्सीजन की इस लड़ाई में हरियाणा भी कूद गया, जब दिल्ली पर आक्सीजन लूटने का आरोप लगाते हुए बुधवार को उसने आक्सीजन टैंकरों को पुलिस सुरक्षा देने का आदेश दिया।

पीएम मोदी कल करेंगे हालात की समीक्षा

देश में कोरोना महामारी ने विकराल रूप अख्तियार कर लिया है। प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को कोरोना महामारी के चलते पैदा हुए हालात की समीक्षा करेंगे। इसकी जानकारी उन्होंने ट्वीट करके दी है। यही नहीं पीएम मोदी ने बंगाल में शुक्रवार को होने वाली अपनी सभी रैलियों को रद कर दिया है। मालूम हो कि केंद्र सरकार ने महामारी की भयावहता को देखते हुए कठोर आपदा प्रबंधन कानून 2005 को भी लागू कर दिया है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने देश में ऑक्सीजन की उपलब्धता और इसकी आपूर्ति को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

ऑक्सीजन वाली गाड़ियां न रोकने के निर्देश

देश में ऑक्सीजन की सप्लाई को लेकर गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाई लेवल रिव्यू मीटिंग की। इसमें उन्होंने अफसरों को निर्देश दिए कि राज्यों को की जा रही ऑक्सीजन सप्लाई में किसी तरह की रुकावट नहीं आनी चाहिए। देश में कोरोना को लेकर शुक्रवार को भी एक हाईलेवल मीटिंग होनी है। इसके चलते नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अपना बंगाल दौरा रद्द कर दिया है। उन्होंने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। ऑक्सीजन के मसले पर देश के 6 हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में भी सुनवाई चल रही है।

ग्राहक से कैरी बैग के पैसे वसूलना गलत

अजमेर। ग्राहक से कैरी बैग की अतिरिक्त कीमत वसूलने पर उपभोक्ता फोरम ने अजमेर के पेंटालूंस शोरूम को दोषी मानते हुए जुमार्ना अदा करने का आदेश दिया है। ग्राहक तरुण अग्रवाल ने अजमेर स्थित पेंटालूंस शोरूम से कपड़े खरीदने के बाद सेल्समैन से इनको रखने के लिए कैरी बैग की मांग की थी। सेल्समैन ने निशुल्क कैरी बैग देने से मना करते हुए कहा कि कैरी बैग के रुपये लगेंगे। बाद में ग्राहक ने कैरी बैग के पांच रुपये दिए। ग्राहक ने कपड़ों का तेरह सौ तीन रुपये का भुगतान किया था। इसके बाद ग्राहक ने उपभोक्ता फोरम में मामला दर्ज किया। शोरूम प्रबंधन ने उपभोक्ता फोरम के नोटिस का ना तो जवाब दिया और ना ही कोर्ट में उपस्थित हुए। एक पक्षीय सुनवाई के दौरान प्रस्तुत साक्ष्य और अभिलेख पर उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर उपभोक्ता फोरम के अध्यक्ष रमेश कुमार शर्मा और सदस्या अल्का रानी जैन ने पेंटालूंस प्रबंधन को सेवा में कमी व अनुचित व्यापार का दोषी माना।

उपभोक्ता फोरम ने नामी कंपनी पर लगाया जुर्माना और नसीहत दी

उपयोक्ता फोरम ने कहा कि खरीदी गई सामग्री शोरूम ने बिना किसी पैकिंग के दी, यह सामान्य व्यवहार नहीं है, उपभोक्ता के प्रति अनुचित व्यवहार है। शोरूम जो कि अंतरराष्ट्रीय संस्थान है, उसके द्वारा भारतीय कानून, वस्तु विक्रय अधिनियम 1930 की धारा 36 (5) के प्रावधानों का पालन नहीं किया जाना, उनकी हठधर्मिता को दशार्ता है। ग्राहक को क्रय की गई सामग्री समुचित रूप से गंतव्य तक ले जाने के लिए किसी तरह की पैकिंग या कैरी बैग में रखकर सामग्री और वह भी कपड़े जैसी सामग्री नहीं दिया जाना व कीमत भुगतान करने के पश्चात यह बताना कि कैरी बैग विक्रय किए जाते हैं। परिवादी अदा की गई कैरी बेग की कीमत वापस पाने के साथ-साथ अनआवेदक से समुचित प्रतिकर पाने का अधिकारी है। फोरम द्वारा पेंटालूंस प्रबंधन को अनुचित व्यापार व्यवहार व सेवाओं में कमी का दोषी माना।

एक दिन में 3.15 लाख केस, दो हजार से अधिक मौतें

कोरोना के सारे रिकॉर्ड ध्वस्त, अमेरिका को पीछे छोड़ा

■ **नईदिल्ली**

बेहद दुख और चिंता वाली खबर है। नए मरीजों के मामले में भारत अमेरिका से भी आगे निकल गया है। देश में पहली बार एक दिन में रिकॉर्ड 3 लाख 15 हजार 552 लोग संक्रमित पाए गए। अब तक किसी एक देश में एक दिन के अंदर मिले मरीजों का यह आंकड़ा सबसे अधिक है। इसके पहले अमेरिका में सबसे ज्यादा 8 जनवरी को 3 लाख 7 हजार लोग पॉजिटिव पाए गए थे।

एक दिन में अब तक की सबसे ज्यादा मौतें

मौत के मामले में भी पिछले दो दिनों से डराने वाले आंकड़े सामने आ रहे हैं। बुधवार को रिकॉर्ड 2,101 लोगों ने दम तोड़ दिया। मौतों का यह आंकड़ा अब तक का सबसे ज्यादा है। इससे पहले मंगलवार को 2,021 मौतें दर्ज की गई थीं। पूरी दुनिया में ब्राजील के बाद भारत इकलौता देश है जहां एक दिन में इतनी मौतें हो रही हैं।

महाराष्ट्र में आज रात से लॉकडाउन

मुंबई। कड़ी पाबंदियों के बावजूद महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण के केस कम नहीं हो रहे थे, इसलिए राज्य सरकार आज रात 8 बजे से लॉकडाउन लगाने जा रही है। महाराष्ट्र में गुरुवार को 67 हजार से ज्यादा केस सामने आए हैं। हालांकि, सरकार ने इसे 'ब्रेक द चेन' का नाम दिया है। इसके तहत बिना किसी जरूरी वजह घर से बाहर नहीं निकल सकेंगे। आम आदमी के लोकल और मेट्रो ट्रेन में सफर पर पाबंदी लगा दी गई है। सरकारी ऑफिसेज में 15% कर्मचारियों की ही मौजूदगी रहेगी। वहीं शादी का कार्यक्रम दो घंटे में पूरा करना होगा और उसमें भी 25 से ज्यादा लोग शामिल नहीं हो सकेंगे।

कम पड़ने लगीं जरूरी दवाइयां, कई गुना बढ़ गईं कीमतें

नई दिल्ली। कोरोना के खिलाफ जंग में संसाधनों की पड़ने लगी है। आक्सीजन को लेकर पूरे देश में हाहाकार मचा हुआ है। अस्पतालों में बेड कम पड़ गए हैं, लेकिन अब दवाइयों और दूसरे जरूरी चिकित्सकीय उपकरणों की कमी ने चिंता बढ़ा दी है। इसका असर कीमतों पर भी पड़ा है और दवाइयां महंगी हो गई हैं। बुखार और इम्युनिटी बढ़ाने में कारगर मानी जाने वाली दवाएं पैरासिटामाल, कैल्शियम, विटामिन सी, विटामिन डी थ्री दवाओं, पल्स ऑक्सीमीटर, वेपोराइजर और खांसी की सिरप की मांग में बेतहाशा वृद्धि हुई है। उप्र के प्रयागराज में इन दवाइयों की मांग सौ से पांच सौ गुना बढ़ी है। लखनऊ में विटामिन सी, जिंक टेबलेट की कमी आई है। दवा व्यवसायियों के अनुसार मांग के अनुरूप बहुत कम ही आपूर्ति हो रही है। राजधानी दिल्ली की थोक दवा मंडी भागीरथ पैलेस में आक्सीमीटर और आक्सीजन कंसंट्रेटर नहीं मिल रहे हैं।

बंगाल में हिंसा के बीच 79% मतदान

43 विधानसभा सीटों के लिए पड़े वोट, कई जगहों पर बीजेपी व टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच संघर्ष

■ **कोलकाता**

कोरोना संक्रमण के कहर के बीच बंगाल विधानसभा चुनाव के छठे चरण का मतदान हुआ। शाम साढ़े पांच बजे तक 79 फीसदी से ज्यादा मतदान हुआ। इस दौरान कई जगहों से हिंसा की खबरें हैं। बैरकपुर में तृणमूल-भाजपा समर्थकों में संघर्ष हुआ। पुलिस ने हालात काबू में करने के लिए लाठीचार्ज किया। उत्तर 24 परगना में भाजपा नेता और उसके परिवार पर हमला हुआ। सूबे के चार जिलों की 43 विधानसभा सीटों के लिए वोट पड़े।ये जिले उत्तर 24 परगना,उत्तर 24 परगना, उत्तर दिनाजपुर, नदिया और पूर्व बर्द्धमान हैं। इस दौरान करीब 1.03 करोड़ मतदाता 306 प्रत्याशियों की सियासी किस्मत का फैसला करेंगे। नदिया में सबसे अधिक 82.70 प्रतिशत वोटिंग दर्ज की गई है। उत्तर 24 परगना जिले के हाबरा में मतदान के दौरान खून से लथपथ शव मिला। चुनाव आयोग ने इसे लेकर रिपोर्ट तलब की है। इस जिले में मतदान से दो दिन पहले ही चुनावी हिंसा शुरू हो गई थी।

बैरकपुर में तृणमूल-भाजपा समर्थकों में संघर्ष

बैरकपुर नगरपालिका के शाखीरापाड़ा इलाके में तृणमूल-भाजपा समर्थकों में संघर्ष हुआ। पुलिस व केंद्रीय बल के जवान स्थिति को नियंत्रित करने के लिए गश्त लगा रहे हैं। उत्तर 24 परगना जिले के आमडांगा के एक बूथ से 200 मीटर की दूरी पर तीन जिंदा बम बरामद हुए हैं।

भाजपा कार्यकर्ता, मां और पत्नी पर हमला

उत्तर 24 परगना जिले के बीजपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत हालीशहर नगरपालिका के 12 नंबर वार्ड में एक भाजपा कार्यकर्ता, उसकी मां और पत्नी पर हमला किया गया। घायल भाजपा कार्यकर्ता का नाम नितय राय है। आरोप है कि तृणमूल सम?थत लोगों ने उसके घर पर जाकर हमला किया।

मौसम | जम्मू कश्मीर और आसपास के क्षेत्र में बन रहा है पश्चिमी विक्षोभ

कई राज्यों में आंधी-तूफान के साथ बारिश के आसार

■ **नईदिल्ली**

मौसम में एक बार फिर बदलाव देखने को मिल सकता है। जम्मू कश्मीर और आसपास के क्षेत्र पश्चिमी विक्षोभ बन रहा है साथ ही पाकिस्तान के मध्य भाग में चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है। इसके प्रभाव से कई राज्यों में आंधी-तूफान के साथ बारिश के आसार बन रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक जम्मू कश्मीर, लद्दाख, पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार में भी हल्की बारिश हो सकती है। इसके साथ ही हवाएं भी तेज चलेंगी। विभाग के अनुसार झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, विदर्भ, तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा, तमिनालडु, पुड्डुचेरी, केरल में भी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में भी बारिश के आसार हैं। विभाग ने इन सभी राज्यों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही पूर्वोत्तर राज्य असम और मेघालय में भी तेज हवाओं और बारिश के आसार हैं।

स्काईमेट वेदर के मुताबिक अगले 24 घंटों के दौरान, पश्चिमी हिमालय, केरल, कर्नाटक और रायलसीमा में हल्की से मध्यम बारिश के साथ एक-दो स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, उत्तर पूर्व भारत, पंजाब के कुछ हिस्सों, ओडिशा, गंगीय पश्चिम बंगाल और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में हल्की से मध्यम बारिश के साथ एक दो स्थानों पर कुछ देर के लिए तेज वर्षा भी हो सकती है। हरियाणा के उत्तरी जिलों में एक या दो स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार हैं। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के तटों पर हल्की बारिश की उम्मीद है। उत्तरी राजस्थान, दिल्ली और पश्चिम और मध्य उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में 23 अप्रैल को बारिश, गरज और धूल भरी आंधी चल सकती है।

बिहार में आंधी-तूफान का अलर्ट जारी

मौसम विभाग ने बिहार में एक और आफत के लिए अलर्ट जारी किया है। आने वाले कुछ घंटे बिहार के 20 जिलों के लिए भारी पड़ सकते हैं। मौसम विभाग ने इन जिलों में तूफान और बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। साथ ही गरज-चमक के साथ बिजली भी गिर सकती है। यह अलर्ट आज दोपहर तक के लिए है। ऐसे में अलर्ट वाले जिलों में लोगों को ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है। मौसम विभाग के पूर्वनुमान के अनुसार मुजफ्फरपुर, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, दरभंगा, सुपौल, सहरसा, मधेपुरा, पटना, मधुबनी, वैशाली, समस्तीपुर, सीतामढ़ी, शिवहर, सारण, गोपालगंज और सीवान शामिल है।

वनिता गुप्ता बनीं एसोसिएट अटार्नी जनरल, सीनेट की मंजूरी

वाशिंगटन। ओबामा प्रशासन के दौरान जस्टिस डिपार्टमेंट में अपनी सेवा दे चुकी भारतीय मूल की वनिता गुप्ता को एसोसिएट अटार्नी जनरल नियुक्त किया गया है। उनके नाम पर अमेरिकी सीनेट में स्थानीय समयानुसार बुधवार को मुहर लगाई गई। बता दें कि इस पर पर नियुक्त होने वाली पहली भारतीय मूल की नागरिक होने का सम्मान भी वनिता को ही मिल रहा है। वनिता गुप्ता के नाम पर सीनेट में वोटिंग हुई और 51-49 के अंतर से उनके नाम को मंजूरी मिली है। रिपब्लिकन लिसा मुर्कोव्स्की ने बाइडन के उम्मीदवार के पक्ष में अपना वोट दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा लगता है कि वनिता गुप्ता निजी तौर पर अन्याय का मुकाबला करने के लिए प्रतिबद्ध रही हैं। वोटिंग से पहले राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा था कि उन्होंने ह्यबहुत ही दक्ष और सम्मानित भारतीय मूल की वकील वनिता गुप्ता को नामित किया है, जिन्होंने अपना पूरा करियर नस्लीय समानता और न्याय की लड़ाई में लगाया है।

सीएम शिवराज के गृह जिले में हॉस्पिटल फुलः सीहोर में जिला अस्पताल के बाहर पोस्टर- बेड फुल; गेट पर बिठाया पुलिस का पहरा

■ सीहोर

कोरोना से लड़ने में लगाई गई तमाम सरकारी व्यवस्थाएं व संसाधन हांफने लगे हैं। सीएम शिवराज सिंह चौहान के गृह जिले सीहोर में भी हाल बेहाल है। यहां जिला अस्पताल के बाहर अब पोस्टर लगा दिया गया है- सारे बेड फुल हैं। यानी नए मरीजों की एंट्री बंद है। ऐसे में हंगामा होने की आशंका के चलते अस्पताल के गेट पर पुलिस तैनात कर दी गई है। हाल ही में यहां भोपाल-इंदौर हाईवे पर कोविड सेंटर तैयार किया गया है, लेकिन ऑक्सीजन नहीं मिलने से यह शुरू ही नहीं हो पा रहा है। जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉक्टर आंनद शर्मा के मुताबिक बुधवार रात से सभी 68 बेड फुल हैं। मेडिकल वार्ड में भी मरीजों को भर्ती किया गया है, लेकिन अब नए मरीजों को भर्ती करना संभव नहीं है। यह स्थिति तब है जब मरीजों की बढ़ती संख्या के चलते मेडिकल वार्ड को भी संक्रमित रोगियों के इलाज के लिए तैयार किया गया है। इससे पहले गर्ल्स स्कूल के आवासीय खेल परिसर को कोविड केयर सेंटर के रूप में विकसित किया है। यहां 60 बिस्तरों वाला आइसोलेशन सेंटर गुरुवार सुबह फुल हो गया। सिविल सर्जन के मुताबिक शहर के कोविड सेंटर में भी इस समय 104 मरीज भर्ती हैं। इनमें से 95 मरीज ऐसे हैं, जिन्हें ऑक्सीजन पर रखा गया है।

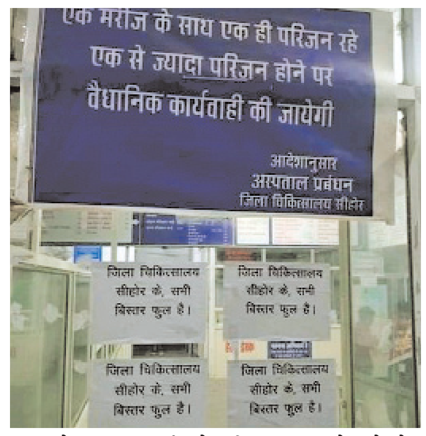

नहीं हो पा रही ऑक्सीजन की सप्लाईः सूत्रों ने बताया कि सीहोर में ऑक्सीजन की मात्रा भी अब सीमित हो चली है। भोपाल से मांग के अनुरूप और निश्चित समय पर ऑक्सीजन की सप्लाई नहीं होने से स्थिति बिगड़ती जा रही है। मरीजों के परिजन भोपाल और इंदौर तक जाकर अपने स्तर पर ऑक्सीजन के लिए भाग-दौड़ कर रहे हैं।

अप्रैल में बढ़ गए 834 एक्टिव मरीज

सीहोर में 21 अप्रैल को 198 नए संक्रमित मिले हैं। यहां एक्टिव केस 1099 हैं। यह संख्या 1 अप्रैल को मात्र 215 थी। पिछले 1 सप्ताह से यहां संक्रमण की रफ्तार तेजी से बढ़ी है। यहां अब हर रोज 150 से ज्यादा केस मिल रहे हैं। अप्रैल माह में अब तक यहां 1897 संक्रमित मिल चुके हैं।

कांग्रेस ने कहा- यही स्थिति रही तो श्मशान और कब्रिस्तान में भी यही दृश्य दिखेंगे

कांग्रेस के प्रवक्ता केके मिश्रा ने सीहोर के अस्पताल की फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की है। उन्होंने लिखा- शिवराजसिंह जी,यह तस्वीर कहीं और की नहीं,आपके ही गृह जिले सीहोर के जिला अस्पताल की है। पुलिस के साये में अस्पताल। यही स्थिति रही तो श्मशानों और कब्रस्तानों में भी यही दृश्य दिखेंगे।

गांव में बाहर से आने एवं जाने वालों पर रहेगी निगरानी,ग्राम स्तरीय निगरानी समिति गठित होगी

कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों की ली बैठक दिए निर्देश

■ दतिया

जिले में कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में बाहर से आने वाले एवं गांव से बाहर जाने वाले व्यक्तियों पर निगरानी रखने के लिए ग्राम स्तर पर निगरानी समिति बनाई जायेगी। जिससे गांव के जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्धजनों एवं सक्रिय ग्रामीणों को रखा जायेगा।कलेक्टर संजय कुमार ने उक्त आशय की जानकारी शुक्रवार को न्यू कलेक्ट्रेट में आयोजित राजस्व अधिकारियों की बैठक में दी। बैठक में अपर कलेक्टर एके चॉदिल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अतेन्द्र सिंह गुर्जर, अनुविभागीय दण्ड़ाधिकारी दतिया अशोक सिंह चौहान, भाण्ड़ेर अरविन्द सिंह माहौर, सेवढ़ा अनुराग निगवाल सहित जिले के तहसीलदार एवं नायबतहसीलदार आदि उपस्थित थे।कलेक्टर श्री कुमार ने जिले में कोरोना के संक्रमण के बढ़ते प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सभी अनुविभागीय दण्ड़ाधिकारियों सहित राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोरोना के संक्रमण की चैन को हमें सभी के सहयोग को तोड़ना है। इसके लिए आपके क्षेत्र में आने वाले सभी नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शहर से आने वाले एवं क्षेत्र से बाहर जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति पर निगरानी रख जानकारी भी रखनी है।

(कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग पर विशेष ध्यान दें) कलेक्टर श्री कुमार ने निर्देश दिए कि कोरोना पीड़ित मरीज की कॉनटेक्ट ट्रेसिंग पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। इसके लिए कोरोना पॉजीटिव मरीज एक सप्ताह के दौरान जिन लोगों के सम्पर्क में आया है। उन लोगों को चिन्हित कर उनकी टेस्टिंग कराई जावें तथा ट्रेवल हिस्ट्री की भी जानकारी लें।कोविड केयर सेंटर क्रियाशील रहे कलेक्टर ने कहां कि जिले में कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए बनाये गए कोविड केयर सेंटरों (सीसीसी) को क्रियाशील रखें। इन केन्द्रों पर मूलभूत सुविधायें सेनेटाईज, सुरक्षा के साथ भती मरीजों को भोजन, नाश्ता, चाय, काढ़ा आदि के साथ उपचार की भी समुचित व्यवस्था हो। इन केन्द्रों पर भती मरीज अकेलापन महसूस न करें इसके लिए उनके मनोरंजन हेतु टीव्ही सेट की व्यवस्था रखी जावे। समय-समय पर उनकी काउन्सलिंग भी करें। उन्होंने कहा कि सभी इन्सीडेंट कमांडरों को मरीजों की ऑक्सीजन के लेबल की जांच हेतु आक्सीमीटर भी उपलब्ध करायें जावे। असिम्टोमटिक लक्षण वाले मरीजों को दवाओं की किट भी उपलब्ध करायें। लोगों को सदी जुकाम होने पर चिकित्सक का परामर्श एवं जांच कराने की सलाह भी दें। 45 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को टीकाकरण हेतु प्रोत्साहित करें।

दिन दहाड़े 2.04 लाख रुपए की लूट

जबलपुर। लॉकडाउन में बाइक सवार दो बदमाशों ने शराब ठेकेदार के कलेक्शन एजेंटों से 2 लाख 4 हजार रुपए लूट लिए। चरगवां-तिलवारा बार्डर पर बदमाशों ने दिन दहाड़े लूट की वारदात को अंजाम दिया। भागते समय लुटेरे बाइक लेकर गिर गए थे। बावजूद वे पकड़ में नहीं आ पाए। जबकि पीड़ित एजेंटों ने दो राहगीरों की मदद से कुछ दूरी तक उनका पीछा किया था। तिलवारा पुलिस ने लूट का मामला दर्ज कर जांच में लिया है। जानकारी के अनुसार बढ़ैयाखेड़ा चरगवां निवासी छोटू उर्फ छोटेलाल पटेल (32) और उसका फुफेरा भाई अजय पटेल (30) शराब ठेकेदार आशीष शिवहरे के यहां कलेक्शन एजेंट हैं। दोनों बाइक से बुधवार को चरगवां देसी व अंग्रेजी, बिजौरी व बरखेड़ा की शराब दुकान से बिक्री का दो लाख चार हजार रुपए वसूल कर शहर में आशीष शिवहरे के रामपुर आदर्श नगर घर पर जमा करने करने आ रहे थे।

भाजपा नेत्री परिवार के सदस्य की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत, परिजनों ने किया हंगामा

भाजपा नेत्री एवं परिजनो ने डॉ हेमंत जैन को गाली गलौच एवं जान से मारने की दी धमकी, डॉ हेमंत जैन ने विडियो वायरल में दी घटना की जानकारी

■ दतिया।

जिला अस्पताल कोविड वार्ड में भाजपा नेत्री परिवार का सदस्य की मौत को लेकर भाजपा नेत्री परिजनों और डॉ हेमंत हेमंत जैन के बीच हुआ हंगामा। जानकारी के अनुसार रेखा गांगौटिया की मौत पर जिला अस्पताल में हुआ हंगामा। जिला अस्पताल के कोविड वार्ड के आईसीयू रुम में घुसकर किया हंगामा। भाजपा नेत्री सुलक्षणा गांगौटिया और उनके परिजनों ने डा.हेमंत जैन से गालीगलौज कर दी देख लेने की धमकी। डा.हेमंत जैन ने कलेक्टर संजय कुमार को कराया घटना से अवगत। जानकारी मिलते ही जिला अस्पताल पहुंचे। और घटना की जानकारी ली। जिला अस्पताल पहुंची कोतवाली पुलिस मामले की जांच में जुटी। डा.जैन के मुताबिक मृत अवस्था में जिला अस्पताल में आई थी। रेखा गांगौटिया पत्नी राजेंद्र गोटियां मृतक का कहीं प्राइवेट अस्पताल में ईलाज करा रहे थे। नहीं इनके पास कोरोना रिपोर्ट थी।जब मृतक के परिजन कोविड वार्ड में घूस आए तो डा.जैन द्वारा रेखा गांगौटिया को मृत घोषित करते ही भड़के भाजपा नेत्री के परिजनों ने डा.जैन को चौराहे पर मारने की दी धमकी। उप अध्यापक डा.हेमंत जैन ने जिला प्रशासन से की सुरक्षा की मांग और विडियो वायरल कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी।

दिनारा ग्राम पंचायत की नल जल व्यवस्था चरमराई

एसडीएम, कलेक्टर साहब इस ओर ध्यान दें नहीं तो हो सकता है हादसा

ग्रामीणों ने बताया कि पानी भरने जाते हैं तो पिट कर आते हैं।

कोरोना से बाद में मरेंगे पहले पानी से ही मर जाएंगे

नहीं है कोई सुनवाई करने वाला ग्राम पंचायत के जिम्मेदार और पी.एच.ई के अधिकारी नही दे रहे ध्यान।

■ दिनारा

ग्राम पंचायत के कर्ता-धर्ताओं की सांठ-गांठ से कई धनाढ्य एवं प्रभावशाली लोगों ने मैन लाइन में ले रखे हैं नल कनेक्शन उन पर नहीं होती कोई कार्यवही। दिनारा में भीषण गमी एवं कोरोना की मार को देखते हुए आज 15 दिनों से वाल्व खराब है जो पंचायत सचिव के घर पर रखा है जिस पर वैल्डिंग होना है वह वाल्व भी सही नही करवा पा रहे हैं दिनारा पंचायत के कर्ता-धर्ता, 15 दिनों से ग्राम दिनारा में मेला ग्राउंड, कसाब मोहल्ला, पंचायत के पास, हनुमान मंदिर के पास आदि इलाकों में नल नहीं आ रहे हैं,यहां पर लोग पीने के पानी के लिए भी तरस रहें है, इन मोहल्लों के रहवासियों के लिये सुबह से ही पानी के लिये जिद्दोजहद करना पड़ता हैं और लोगो को किलोमीटर से पानी लाना पड़ रहा है वर्तमान में लोग कोरोना महामारी से परेशान हैं परंतु दिनारा में पानी और कोरोना दोनों से परेशान हैं लेकिन पी.एच. ई. और ग्राम पंचायत के कर्ता-धर्ताओं को इस समस्या से कोई लेना देना नही हैं। समय आने पर जनता जबाव जरूर देगी।

लापरवाही,कोरोना पॉजिटिव परिवार का सदस्य घर के बाहर घूमता हुआ आया नजर

नहीं लगाए गए बेरीकिड्स वार्ड 8 मोहल्ले में दहशत में लोग

लापरवाही,कोरोना पॉजिटिव परिवार का सदस्य घर के बाहर घूमता हुआ आया नजर, नहीं लगाए गए बेरीकिड्स वार्ड 8 मोहल्ले में दहशत में लोग

■ दतिया।

शहर में कोरोना पॉजिटिव व्यक्ति पाए गए हैं।उनको में आइसोलेशन किया जा रहा है।और बेरिकेट्स लगाए जा रहे हैं। लेकिन कोरोना पॉजिटिव व्यक्ति होम आइसोलेशन बजह मोहल्ले में घूमते हुए नजर आया। आपको बताते कि यह तस्वीर वार्ड नंबर 8 अनाड़ी रेस्टोरेंट के पास रामू पांडे की मां की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई लेकिन परिवार का सदस्य घर के बाहर रामू पांडे मोहल्ले में घूमते हुए नजर आया। नहीं बनाये गये कंटेंमेंट क्षेत्र में वार्ड नंबर 8 के निवासियों ने कई बार कन्ट्रोल फोन लगाया इस के बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने गंभीरता से नहीं लिया। वार्ड नंबर 8 में रहने वाले लोगों ने कई बार पुलिस को भी सूचित किया इस बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हुई। स्थानीय लोगों का कहना है कि छोटा बाजार निवासी वार्ड नंबर 8 रामू पंडित की मां की कोरोना पॉजिटिव रिपोर्ट आई है प्रशासन नाही लगाए वेरिकेटस युवक घर के बाहर कोरोना संक्रमण फैलने का खतरा बना रहता है। कोरोना पॉजिटिव व्यक्ति के घर के बाहर नहीं बनाएं गए कंटेंमेंट क्षेत्र नाही होमआइसोलेट किया गया। वहीं कलेक्टर द्वारा आदेश की कोई भी व्यक्ति कोरोना गाइडलाइन का उल्लंघन करते एवं ऐसे व्यक्ति जो कंटेंमेंट क्षेत्र में बनाएं गये कंटेंमेंट एरिया के बाहर घूमते पाए जाते है तो उनके विरुद्ध अपराधिक प्रकरण होगा दर्ज। वार्ड नंबर 8 में लेकिन यहां पर नजारा कुछ और ही नजर आ रहा है। अधिकारियों की लापरवाही सामने आई।

बहुत मुश्किल वक़्त हैं। हम सभी का कोई ना कोई करीबी इस बीमारी की चपेट में आया है। किन्तु इन हालातों में भी एक दूसरे का हाथ और उम्मीद का दामन थामे रहिये। आरोपों की उंगली उठाने की बजाय मदद का हाथ बढ़ाइये। जितना हो सके एक दूसरे की मदद तथा हौसला अफज़ाई कीजिये। अगर कुछ ना हो सके तो दुआ कीजिये। जब भविष्य में हम अतीत के इस दौर की तरफ झाकेंगे तो केवल यह याद आएगा कि मुश्किल के समय कौन हमारे साथ खड़ा था।

अमन सिंह राठौड़
पुलिस अधीक्षक दतिया

निरीक्षण — गोराघाट बोर्डर नाकें क्षैत्र का किया निरीक्षण

नायब तहसीलदार ने ग्राम उपराय झोला छाप डॉक्टर की क्लीनिक की सील

■ दतिया।

कलेक्टर संजय कुमार के निर्देशन में गोराघाट क्षैत्र में प्रशासनिक अधिकारियों ने बोर्डर नाकें का निरीक्षण किया। बोर्डर से निकल रहे लोगों से पूछताछ भी की।जिले में कोरोना संक्रमण बेकाबू होता जा रहा है।कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए प्रशासन पांच दिन का संपूर्ण लाक डॉउन घोषित किया है। वहीं तीन इंसीडेंट कमांडर नायब तहसीलदार राधा वल्लभ धाकड़ के साथ राजस्व विभाग ने गोराघाट क्षैत्र में कोरोना पोजिटिव मरीजों घर बहार वेरिकेड्स लगाकरकटेनमेन बनाएं। जिससे अन्य लोग संक्रमित ना हो सके। घरों में दूरी बना कर रखें , मास्क लगाकर रखेंऔर लोगों को घरों में रहने की समझाइश दी।वहीं प्रशासनिक अधिकारी ने गोराघाट क्षैत्र में खरीदी केंद्र का व्यवस्थाओ का जायजा लिया। वहीं क्षैत्र में भम्रण के दौरान तीन इंसीडेंट कमांडर टीम ने ग्राम उपराय में झोलाछाप क्लीनिक खुली पाएं जाने पर दुकान को सील कर दिया। भ्रमण दौरान नायब तहसीलदार राधा वल्लभ धाकड़, गोराघाट थाना प्रभारी कमल किशोर गोयल सहित राजस्व विभाग के कमर्चारी मौजूद रहे।

कलेक्टर एवं एडिशनल एसपी ने रात्रि में चिरूला नाकें का किया निरीक्षण

दतिया। कलेक्टर संजय कुमार ने एडिशनल एसपी कमल मौर्य के साथ कोरोना संक्रमण के चेन को तोड़ने हेतु जिले की सीमा चिरूला पर बनाये गए नाकों का रात्रि में निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पदस्थ कमर्चारियों से लोगों के आवागमन के संबंध में जानकारी ली।कलेक्टर ने इस दौरान आने-जाने वाले लोगों को समझाइश देते हुए कहा कि अनावश्यक रूप से अपने धरों से न निकलें। अपने घरों में ही रहकर स्वयं एवं परिवार को सुरक्षित रखें।

संक्षेप में...

चीन के साथ संबंध विकसित करेगा इजराइल

यरुशलम। इजरायली राष्ट्रपति रियूवेन रिवलिन ने कहा है कि इजरायल अब चीन के साथ अपने संबंध विकसित करने में ज्यादा मेहनत करने के लिए तैयार है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, रिवलिन ने यह बात तब की, जब उन्होंने इजरायल के राष्ट्रपति रेजिडेंस में नए चीनी राजदूत साई रन के साथ मुलाकात की। इजरायल के राष्ट्रपति ने साई को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को बधाई और शुभकामनाएं देने के लिए कहा। यहूदी और चीनी लोगों के बीच दोस्ती के लंबे इतिहास को याद करते हुए रिवलिन ने कहा कि इजरायल द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान यहूदी शरणार्थियों को चीनी लोगों द्वारा प्रदान की गई निस्वार्थ मदद को हमेशा याद रखेगा। हाल के वर्षों में, इजरायल के राष्ट्रपति ने कहा, द्विपक्षीय संबंध अच्छे बने हैं और दोनों पक्षों के बीच सहयोग से विभिन्न क्षेत्रों में सफल परिणाम मिले हैं।

अफगानिस्तान में 24 घंटे में 78 आतंकवादी मारे गए

काबुल। अफगानिस्तान में पिछले 24 घंटों में अफगान सरकारी बलों के विभिन्न अभियानों में कम से कम 78 तालिबान आतंकवादी मारे गए हैं। रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को यह घोषणा की। मंत्रालय ने कहा, अफगान राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा बलों (एएनडीएसएफ) के हेलमंड और कंधार,गजनी, जाबुल, हेरात, पक्तिका, बल्ख, निमरोज प्रांतों में चलाए गए अभियानों में 44 तालिबानी आतंकवादी घायल भी हुए हैं और 8 अन्य को गिरफ्तार भी किया गया है। एनडीएसएफ ने साथ ही 36 आईईडी को निष्क्रिय कर दिया और बड़ी संख्या में हथियार जब्त किए। बयान में यह नहीं बताया गया है कि क्या अफगान सुरक्षा बलों की तरफ से कोई हताहत हुआ है। तालिबान संगठन ने अब तक मंत्रालय की रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

वायुसेना ने संभाला मोर्चा, पहुंचा रही दवाइयां व ऑक्सीजन

नई दिल्ली। देश में जारी कोरोना वायरस की दूसरी लहर के कहर के बीच देश में मेडिकल ऑक्सीजन सहित कई दवाओं, उपकरणों की जरूरत बढ़ गई है। संकट की इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार को मदद देने के लिए भारतीय वायुसेना ने मोर्चा संभाला है और ऑक्सीजन कंटेनर, सिलिंडर, जरूरी दवाओं, उपकरणों और स्वास्थ्यकर्मियों तक को एयरलिफ्ट कर रहा है। एयरफोर्स अधिकारियों के मुताबिक, क्अत्र ने दिल्ली में डीआरडीओ के बनाए कोविड-19 अस्पताल में कोच्चि, मुंबई, विशाखापत्तनम और बेंगलुरु तक से नर्सिंग स्टाफ को एयरलिफ्ट कर पहुंचाया है। इंडिया टुडे की खबर के मुताबिक, एयरफोर्स ने के ऑक्सीजन कंटेनरों को भी बेंगलुरु से दिल्ली के कोविड सेंटरों तक पहुंचाया है।

अमेरिका में कोलंबस पुलिस ने अश्वेत किशोरी को मार डाला

वाशिंगटन। अमेरिका के ओहियो में कोलंबस पुलिस ने एक अश्वेत किशोरी को गोलियों से भून डाला। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस द्वारा जारी वीडियो फुटेज में देखा जा सकता है कि किशोरी चाकू लेकर दो लोगों पर कूद पड़ी थी। इस घटना के खिलाफ लोग ओहियो के सबसे बड़े शहर की सड़कों पर विरोध प्रदर्शन करने निकल पड़े। यह घटना ऐसे वक्त हुई जब पूरे देश का ध्यान जार्ज फ्लायड हत्या मामले में अदालत के फैसले की तरफ लगा था। मृत किशोरी की पहचान माखिया ब्रायंट के रूप में हुई है। घटना का वीडियो जारी करते हुए कोलंबस के अंतरिम पुलिस प्रमुख माइकल वुड्स ने कहा कि पुलिस को आपातकालीन नंबर-911 पर एक काल आई थी।

केरल की सोलर घोटाला आरोपी सरिथा नायर गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम। केरल के कोझीकोड जिले के कसबा पुलिस अधिकारियों ने आज सुबह राज्य की राजधानी से सोलर घोटाले की आरोपी सरिथा नायर को अदालत में पेश ना होने कि वजह से गिरफ्तार किया। उनके खिलाफ पहले ही वारंट जारी हो चुका था। कोझिकोड के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट 3 ने धोखाधड़ी के मामले में उनके खिलाफ वारंट जारी किया था, सरिथा नायर ने एक व्यक्ति से पैसे लिए थे लेकिन उसे सोलर पैनल देने में विफल रही थी। इस अदालत ने पहले उन्हें 25 फरवरी को पेश होने के लिए कहा था, लेकिन वह ऐसा करने में विफल रही थी। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है और कोझिकोड ले जा रही है?

घाटी में बारिश, लद्दाख में हल्की बर्फबारी

श्रीनगर। गुरुवार को कश्मीर घाटी में हल्की बारिश हुई , साथ ही लद्दाख में कुछ स्थानों पर हल्की बर्फबारी हुई। मौसम विभाग ने अप्रैल के अंत तक मौसम में सुधार की बात कही है। विभाग ने एक बयान में कहा, वर्तमान में कश्मीर के कई स्थानों पर बारिश हो रही है, जबकि जम्मू के कई स्थानों पर बादल छाए रहेंगे। शुक्रवार से, मौसम अप्रैल के अंत तक शुष्क रहने की संभावना है। वर्तमान में द्रास जोजिला अक्ष को छोड़कर पूरे लद्दाख में मौसम साफ है, वहीं कुछ क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी के साथ बादल बने हुए हैं। बयान में कहा गया है कि शुक्रवार से लद्दाख क्षेत्र में अप्रैल अंत तक मौसम शुष्क रहने की संभावना है। श्रीनगर में गुरुवार को न्यूनतम तापमान 8.6, पहलगाम में 3.3 और गुलमार्ग में शून्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस से कम रहा।

कोरोना दुनिया में: एशियन देश अब सबसे ज्यादा प्रभावित, यहां के 15 देशों में हालात बेकाबू

पहली बार 24 घंटे में रिकॉर्ड 8.80 लाख से ज्यादा नए केस

वाशिंगटन ■ एजेंसी

दुनियाभर में कोरोना के मामले रोज नए रिकॉर्ड बना रहे हैं। लगभग सभी देशों में कोरोना के नए मामले फिर से बढ़ने लगे हैं। बीते दिन दुनिया में रिकॉर्ड 8 लाख 80 हजार 977 मामले सामने आए। यह कोरोना महामारी की शुरूआत से अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे पहले 7 और 8 जनवरी को 8.43 लाख नए केस सामने आए थे। कोरोना का सबसे ज्यादा प्रभाव एशियन देशों पर पड़ा है। यहां के करीब 15 देशों में हालात बेकाबू हो गए हैं। भारत में नए संक्रमितों का आंकड़ा 3 लाख के पार पहुंच गया है। वहीं, तुर्की में रोजाना 60 हजार और ईरान में 24 हजार नए केस सामने आ रहे हैं। ऐसे ही अन्य एशियाई देशों में भी रोजाना मिलने वाले संक्रमितों का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। बुधवार को दुनिया में 14,088 लोगों की कोरोना की वजह से मौत हो गई। सबसे ज्यादा 3157 मौतें ब्राजील में रिकॉर्ड की गईं। इसके बाद 2102 मौतें भारत में और 876 मौतें अमेरिका में हुईं। पोलैंड में 740 और मैक्सिको में 582 मौतें हुईं। भारत कोरोना की दूसरी लहर से परेशान है तो दुनिया के 10 ऐसे भी देश हैं, जहां संक्रमण की चौथी लहर चल रही है। इनमें ब्राजील, तुर्की, फ्रांस, अर्जेंटिना, ईरान, कोलंबिया, जमर्नी, इटली, पेरू और पोलैंड जैसे देश शामिल हैं। इन देशों में हर दिन 10 हजार से ज्यादा लोग संक्रमित हो रहे हैं। सबसे खराब हालत ब्राजील और तुर्की की है।

अब तक 14.26 करोड़ संक्रमित

दुनिया में अब तक 14 करोड़ 44 लाख से ज्यादा लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 30 लाख 71 हजार मरीजों की मौत हो चुकी है। 12.22 करोड़ लोग ठीक हो चुके हैं। फिलहाल 1.87 करोड़ लोगों का इलाज चल रहा है। इनमें एक लाख 9 हजार 845 मरीजों की हालत क्रिटिकल है और 1.86 करोड़ लोगों में कोरोना के हल्के लक्षण हैं।

ब्रिटेन में वैक्सीनेशन के बाद घटी मौतें

कोरोना की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे टीकाकरण अभियान ने दुनिया में असर दिखाना शुरू कर दिया है। इसका ताजा उदाहरण ब्रिटेन में देखने को मिला है। 7 सितंबर को वहां 3 लोगों की मौत हुई थी, लेकिन मौतों का आंकड़ा धीरे-धीरे बढ़ता गया। पर टीकाकरण शुरू होने के बाद अब वहां महामारी से सिर्फ 4 मौतें दर्ज हुई हैं, इसके साथ ही कोरोना से मरने वालों की दर पिछले सोमवार के मुकाबले 70% घट गई है। इसके अलावा ब्रिटेन में नए कोरोना मरीजों की रफ्तार भी करीब 17% कम हुई है।

ईस्ट-सेंट्रल रेलवे के 2,251 अधिकारी-कर्मचारी संक्रमित

पटना। कोरोना वायरस की वजह से ट्रेनों की स्पीड पर ब्रेक लग सकता है। कोरोना की दूसरी लहर में रेलवे के ज्यादातर वे अधिकारी और कर्मचारी पॉजिटिव होते जा रहे हैं, जो ट्रेनों के संचालन से सीधे जुड़े हैं और जो फ्रंटलाइन पर आकर काम कर रहे हैं। ट्रेन ऑपरेशन में ड्राइवर, गार्ड और स्टेशन मास्टर, इन तीनों का रोल अहम है। लेकिन, ये लोग कोरोना की चपेट में आते जा रहे हैं। कोरोना की दूसरी लहर में अब तक ईस्ट सेंट्रल रेलवे के हाजीपुर मुख्यालय से लेकर सभी 5 रेल डिवीजनों में अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों तक कुल 2,251 लोग कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं। इनमें दो रेल डिवीजन पंडित दीनदयाल उपाध्याय, उत्तर प्रदेश में और धनबाद, झारखंड में आते हैं। ईस्ट सेंट्रल रेलवे के उढफ्ड राजेश कुमार का कहना है कि जरूरत पड़ने पर असिस्टेंट लोको पायलट गार्ड की भूमिका निभा सकते हैं।दावा तो यह किया गया है कि बहुत सारे रेलवे कर्मचारी ऐसे हैं, जिन्होंने कोरोना के लक्षण पाए जाने के बाद बाहर जांच कराई और पॉजिटिव आने पर वे अपने स्तर पर इलाज करवा रहे हैं। ऐसे लोगों का आंकड़ा रेलवे के पास नहीं है।

300 यात्री कोरोना टेस्ट करवाए बिना भागे

सिलचर। कोरोना के तेजी से बढ़ते मामलों के बावजूद कई लोग गंभीर लापरवाही बरत रहे हैं। असम के सिलचर एयरपोर्ट पर बुधवार को 300 यात्री बिना कोरोना की जांच करवाए भाग गए, जबकि टेस्टिंग जरूरी है। अंग्रेजी अखबार इंडियन एक्सप्रेस ने यह जानकारी दी है। कोरोना की दूसरी लहर के बीच असम में एयरपोर्ट पर उतरने वाले सभी पैसेंजर्स के लिए रैपिड एंटीजन टेस्ट करवाना जरूरी किया गया है। लेकिन सिलचर एयरपोर्ट पर जगह कम होने की वजह से पास के टिकोल मॉडल अस्पताल में यात्रियों को जांच के लिए ले जाया जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार को 690 लोग सिलचर एयरपोर्ट पर उतरे थे। इनमें से 189 की टेस्टिंग हो पाई, जिनमें 6 पॉजिटिव निकले। एक अधिकारी ने बताया कि 300 लोगों के बिना टेस्ट करवाए भागने की घटना की की जांच की जा रही है। पुलिस भागने वाले यात्रियों का पता लगा रही है। उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सीरिया ने इजरायल के परमाणु रिएक्टर के पास दागी मिसाइल

▸ इजरायल ने सीरिया में स्थित मिसाइल लॉन्चर और एयर-डिफेंस सिस्टम पर हमला किया

यरुशलम ■ एजेंसी

सीरिया की तरफ से इजरायल पर गुरुवार तड़के दागी गई मिसाइल के कारण देश के टॉप सीक्रेट न्यूक्लियर रिएक्टर में सायरन बजने लगे। इजरायल की सेना ने इसकी जानकारी दी। इस घटना के सामने आने के बाद इजरायली सेना ने जवाबी कार्रवाई करते हुए सीरिया में स्थित मिसाइल लॉन्चर और एयर-डिफेंस सिस्टम पर हमला किया है। हाल के दिनों में गाजा पट्टी की तरफ से भी इजरायल पर मिसाइलें दागी गई हैं। इसके जवाब में इजरायल ने गाजा पर नियंत्रण रखने वाले हमास के कई ठिकानों पर हमला किया। ये घटना हाल के वर्षों में इजरायल और सीरिया के बीच हुई सबसे हिंसक घटनाओं में से एक है। घटना को लेकर इस बात के संकेत हैं कि इसमें ईरान की भूमिका भी थी। ईरान के सैनिक सीरिया में मौजूद हैं और उसने यहां पकड़ बनाई हुई है। तेहरान अपने परमाणु फैसिलिटी पर हुए हमलों के लिए लगातार इजरायल पर आरोप लगा चुका है। सबसे ताजा मामला 11 अप्रैल का है, जब ईरान के नन्ताज परमाणु फैसिलिटी में तोड़-फोड़ की गई। इसका आरोप भी ईरान ने इजरायल पर लगाया और बदला लेने की कसम खाई। ईरान ने अमेरिकी नेतृत्व के साथ चल रहे अंतरराष्ट्रीय परमाणु समझौते को पुनर्जीवित करने के प्रयासों को जटिल करने की धमकी भी दी। इजरायली सेना ने कहा कि इसने एक मिसाइल-डिफेंस सिस्टम तैनात किया है। लेकिन इस बात की पुष्टि नहीं की कि इसके जरिए किसी मिसाइल का पता चला या नहीं। हालांकि, सेना ने ये जरूर कहा कि हमले में कोई नुकसान नहीं हुआ है। वहीं, हवाई हमले के सायरन नेगेव रेगिस्तान कस्बे डिमोना से कुछ किलोमीटर दूर अबु क्रिनाट में सुने गए। डिमोना में ही इजरायल का परमाणु रिएक्टर स्थित है। इजरायल में सुनाई पड़ने वाली विस्फोटों की आवाज एयर डिफेंस सिस्टम की वजह से आई होगी।

फ्रांस से भारत पहुंचे चार और राफेल युद्धक विमान

नई दिल्ली। चार राफेल युद्धक विमानों की पांचवीं खेप बुधवार को देर रात 11.45 बजे फ्रांस से भारत पहुंच गई है। बिना रुके आठ हजार किलोमीटर का सफर तय करते हुए इन विमानों में रीफ्यूलिंग की व्यवस्था फ्रांस की वायुसेना और यूएई ने की। भारतीय वायुसेना के प्रमुख आरकेएस भदौरिया ने बुधवार को ही इन विमानों को हरी झंडी दिखाकर फ्रांस के मैरिग्नेक बॉरडॉक्स एयरबेस से रवाना किया था। अधिकारियों ने बताया कि राफेल युद्धक विमानों की इस पांचवीं खेंप के भारत पहुंचते ही भारतीय वायुसेना के पास फिलहाल कुल 18 राफेल विमान हो गए हैं। इससे भारतीय वायुसेना के पास राफेल विमानों की एक स्क्वाड्रन पूरी हो गई है। 18 विमानों की पहली स्क्वाड्रन को अंबाला एयरबेस पर तैनात किया गया है। जबकि दूसरी स्क्वाड्रन यानी अन्य 18 राफेल विमानों को पश्चिम बंगाल के हाशिमारा एयरबेस पर तैनात किया जाना है। वायुसेना प्रमुख भदौरिया ने पांच दिवसीय दौरे पर फ्रांस सोमवार को ही पहुंचे हैं। वह फ्रांसीसी पायलटों के साथ इन विमानों को बिना रुके भारत पहुंचने के लिए फ्रांस और यूएई की व्यवस्था देखने गए हैं। चारों राफेल विमान बुधवार की देर रात 11.45 बजे किसी भारतीय वायुसैनिक अड्डे पर लैंड हुए। इन विमानों की रीफ्यूलिंग हर बार की तरह इस बार भी हवा में ही हुई और इस कार्य भी यूएई ने ही अपने वायुक्षेत्र में अंजाम दिया।

क्वेटा के होटल में धमाका, 5 लोगों की मौत, कई घायल

क्वेटा। पाकिस्तान के क्वेटा शहर में बुधवार देर रात एक होटल में धमाका हुआ। पांच लोगों की मौत हो गई है। 33 लोग घायल बताए गए हैं। पाकिस्तान के क्वेटा शहर में बुधवार रात करीब 11 बजे एक बड़ा धमाका हुआ। यह ब्लास्ट क्वेटा के सबसे बड़े होटल सेरेना की पार्किंग में हुआ। अब तक पांच लोगों के मारे जाने की खबर है। जिस होटल में ब्लास्ट हुआ, यहां चीन के अधिकारी रुके थे। शहर के सरकारी अस्पताल के एक डॉक्टर के मुताबिक, मरने वालों की संख्या काफी ज्यादा हो सकती है, क्योंकि ज्यादातर घायलों की हालत गंभीर है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि शहर के बड़े हिस्से को सेना के हवाले करने की तैयारी की जा रही है, क्योंकि यहां बीते कई दिनों से हिंसा हो रही है। पाकिस्तान के अखबार ह्यद एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक, घटना के वक्त पार्किंग में कई लोग मौजूद थे। ये लोग यहां एक फंक्शन में शामिल होने आए थे। इनमें से कुछ विदेशी नागरिक भी थे। रिपोर्ट्स में बताया गया है कि करीब 33 लोग घायल हैं और इनमें से ज्यादातर की हालत गंभीर है। इसकी वजह ये है कि ज्यादातर लोग एक साथ झुंड बनाकर बातचीत कर रहे थे। बलूचिस्तान में लंबे वक्त से आजादी की मांग उठ रही है। यहां विद्रोही गुट आए दिन पाकिस्तानी फौज की चौकियों पर हमले करते हैं और इनमें कई सैनिक मारे जा चुके हैं। हाल के दिनों में यहां रेंजर्स और स्पेशल बटालियन की तैनाती भी की गई है। इसके बावजूद हिंसा कम नहीं हुई। धमाके में सात कारें पूरी तरह तबाह हो गईं। अब तक यह साफ नहीं हो सका है कि यह बम धमाका था या कुछ और। बलूचिस्तान सरकार ने ब्लास्ट की पुष्टि करते हुए मरने वालों का आंकड़ा 4 बताया।

यूएई ने पाक को दिया 2 अरब डॉलर का बेलआउट पैकेज

इस्लामाबाद ■ एजेंसी

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने दो अरब डॉलर के बेलआउट पैकेज के साथ पाकिस्तान की मदद करने का फैसला किया है। यूएई की ओर से पाकिस्तान को हर संभव समर्थन देने का आश्वासन भी दिया गया है। यूएई का यह समर्थन पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी की खाड़ी देशों की यात्रा के दौरान देखने को मिला है। कुरैशी ने यूएई के विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायेद अल नाहयान को धन्यवाद दिया। कुरैशी ने कहा कि यह निर्णय दोनों देशों के बीच गर्मजोशी वाले और दोस्ताना संबंधों को दशार्ता है। पाकिस्तान विदेशी कार्यालय की ओर से कहा गया है, "हम संयुक्त अरब अमीरात के निरंतर समर्थन और सहयोग की सराहना करते हैं।" कुरैशी ने बैठक के दौरान यूएई के सामने पाकिस्तानियों के लिए वीजा प्रतिबंध का मुद्दा भी उठाया। यात्रा के दौरान, कुरैशी ने संयुक्त अरब अमीरात में रहने वाले पाकिस्तानी नागरिकों द्वारा दोनों देशों के लिए किए गए योगदान पर भी प्रकाश डाला। पाकिस्तान विदेश कार्यालय की ओर से कहा गया है कि कुरैशी ने इस दौरान लोगों से लोगों को जोड़ने पर जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने दोनों देशों के बीच यात्रा में बाधा डालने वाली बाधाओं को दूर करने और संबंधों को मजबूत बनाने की आवश्यकता पर भी विशेष जोर दिया। बता दें कि संयुक्त अरब अमीरात ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए कार्य वीजा पर प्रतिबंध लगाया हुआ है, जो पाकिस्तान में एक बड़ा प्रभाव पैदा करता है, क्योंकि यहां के लोग काफी हद तक यूएई पर निर्भर करते हैं।

मांग फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (फोर्डा) ने लिखा केंद्र को पत्र

अस्पतालों में नेताओं की दखलंदाजी बंद कराओ

■ **नईदिल्ली**

महामारी के बीच भी अस्पतालों में सांसदों-विधायकों के वीआईपी ट्रीटमेंट को लेकर फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (फोर्डा) नाराज है। संगठन ने ने स्वास्थ्य मंत्रालय को खत लिखकर जनप्रतिनिधियों की दखलंदाजी खत्म करने की मांग की है। दरअसल, अस्पतालों में जनप्रतिनिधियों के इस वीआईपी कल्चर के चलते जरूरतमंदों और डॉक्टरों तक को इलाज और बेड नहीं मिल पा रहे हैं।

दिल्ली के एक बड़े सरकारी अस्पताल का एक डॉक्टर खुद इस वीआईपी कल्चर का शिकार हो गया। कोरोना संक्रमित मां को भर्ती कराने के लिए अपने ही अस्पताल में भटका, पर बेड नहीं मिला। दुख और गुस्से से भरे इस डॉक्टर ने कहा, मैं दिल्ली के बड़े सरकारी अस्पताल में काम करता हूं। 11 अप्रैल को मां कोरोना संक्रमित हो गईं। उनका ऑक्सीजन लेवल लगातार गिर रहा था। अपने ही अस्पताल में उन्हें भर्ती कराने के लिए दोपहर 12:30 से 4 बजे तक भटकता रहा। पागलों की तरह बेड तलाश करता रहा, लेकिन बेड नहीं मिला। मां की हालत खराब हो रही थी। एक साथी ने फोन पर बताया कि निजी अस्पताल में भर्ती करवा दो। तब मैंने उन्हें प्राइवेट अस्पताल में भर्ती किया।मां के लिए मैं उस अस्पताल में बेड अरेंज नहीं कर पाया, जहां मैं खुद काम करता हूं। इसी अस्पताल में सांसद से लेकर विधायक तक के लिए तुरंत बेड अरेंज कर दिया जाता है। इनकी एक सिफारिश पर इनके रिश्तेदारों और करीबियों को भी बेड मिल जाता है। इनमें कई ऐसे भी थे, जिन्हें घर में ही आइसोलेट हो जाना चाहिए था, लेकिन वो अस्पताल में आकर भर्ती हुए। बेड आरक्षित करने का कोई लिखित नियम नहीं है, लेकिन हर अस्पताल इस नियम को पूरी तरह फॉलो करता है। आज देशभर में हालात ये हैं कि आप किसी पावरफुल आदमी को जानते हैं तो आपकी जान बचने की चांस ज्यादा हैं। वहीं, राम मनोहर लोहिया के डॉक्टर मनीष जांगड़ा ने अपना एक वीडियो ही ट्विटर पर पोस्ट किया। काफी जूझने के बाद उन्हें उनके ही अस्पताल में भर्ती किया गया। यह कहानी कई डॉक्टर्स की है, लेकिन डॉक्टर्स अपना नाम बताने से बचते हैं, क्योंकि जॉब पर संकट आ सकता है।

अस्पताल में नेताओं के गैरजरूरी दखल पर संगठन ने ने केंद्र को भेजे खत में लिखा- सालों से देख रहे हैं कि नेता हेल्थ सर्विस में लगातार दखलंदाजी करते हैं, इससे सेवाओं पर असर पड़ता है। किसी भी तरह की असामयिक मृत्यु को या खामी को ऐसे नेताओं के दौरों के बाद लापरवाही बता दिया जाता है और डॉक्टरों व स्टाफ को लोगों के गुस्से का शिकार होना पड़ता है। हम अपने कर्तव्य का पालन करते हैं और बिना भेदभाव लोगों की जिंदगी बचाने की कोशिश करते हैं। पर बीमारी की गंभीरता और मेडिकल सुविधाओं के अभाव या अपर्याप्त वर्कफोर्स के चलते हम हर मरीज को नहीं बचा सकते हैं। हम मौजूदा संसाधन में पूरी कोशिश करते हैं कि लोगों को इलाज दे सकें। लेकिन, इंफ्रास्ट्रक्चर और काम के बोझ में दबे हुए हेल्थ केयर वर्कर्स के हाल में कोई सुधार नहीं हुआ है और ये लड़खड़ा रहे हैं। मध्य प्रदेश में एक ऐसी ही घटना घटी है। यहां एक जनप्रतिनिधि ने सीनियर डॉक्टर से बदसलूकी की और उसे इस्तीफा देना पड़ा।

F.O.R.D.A.

संगठन ने केंद्र से ये गुहार लगाई

1. जनप्रतिनिधियों और सरकारी अफसरों को निर्देश दें कि अपने इलाज के लिए उन्हीं संस्थानों में जाएं, जो खासतौर पर उन्हीं के लिए अलॉट किए गए हैं।
2. इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करें और पर्याप्त वर्कफोर्स की व्यवस्था करें।
3. हेल्थ केयर सुविधाओं में जनप्रतिनिधियों का गैरजरूरी दखल रोका जाए।
4. करीबियों और रिश्तेदारों के इलाज के लिए जनप्रतिनिधियों और अफसरों द्वारा सिफारिशों पर रोक लगाई जाए। जरा सी बीमारी पर भी नेता या अफसरों के घर और दफ्तरों पर डॉक्टरों को जाने के लिए मजबूर न होना पड़े। इसे रोका जाए।
5. हेल्थ केयर वर्कर्स और पैरामेडिकल स्टाफ की इलाज की जरूरतों के लिए भी एक विशेष जगह निर्धारित की जानी चाहिए।

संपादकीय

अपने ही जाल में फंसे इमरान

अपनी गलत प्राथमिकताओं और समझौतापरस्त नीतियों के चलते पाकिस्तान की इमरान खान सरकार ऐसी स्थिति में फंस गई है कि उससे न आगे बढ़ते बन रहा है और न पीछे हटते। एक सप्ताह पहले जिस तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) को आतंकी संगठन बताते हुए इमरान सरकार ने बैन किया था, उसी के आगे घुटने टेकते हुए उसने यह स्वीकार कर लिया है कि संसद की दो दिवसीय बैठक बुलाकर उसमें फ्रांसीसी राजदूत को वापस भेजने का प्रस्ताव पेश किया जाएगा। ध्यान रहे, पाकिस्तान सरकार और खुद प्रधानमंत्री इमरान खान भी फ्रांसीसी राजदूत को वापस भेजे जाने के प्रस्ताव से सहमत नहीं हैं। पिछले दिनों उन्होंने टीवी पर प्रसारित एक संबोधन में कहा था कि फ्रांसीसी राजदूत को वापस भेजने का मतलब होगा पूरे यूरोपियन यूनियन (ईयू) से रिश्ते खत्म होना। चूंकि पाकिस्तान के टेक्सटाइल एक्सपोर्ट का 50 फीसदी यूरोप को जाता है, इसलिए ईयू से रिश्ते खत्म होने का मतलब होगा देश के टेक्सटाइल एक्सपोर्ट का आधा हिस्सा गायब हो जाना। मगर इमरान खान की ये समझदारी की बातें टीएलपी के जुनूनी समर्थकों को समझ में नहीं आनी थीं, ना आईं। उन्होंने अपना कथित आंदोलन तेज कर दिया और देश में जगह-जगह आंदोलनकारियों की पुलिस से मुठभेड़ शुरू हो गई। चार पुलिसकर्मी मारे गए और बड़ी संख्या में घायल हुए। यही नहीं करीब दर्जन भर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी बंधक भी बना लिए गए। नतीजा यह कि अपने ही देश में पाकिस्तान सरकार ऐसी लाचार हो गई कि उसे इस प्रतिबंधित आतंकी संगठन के साथ बातचीत करके बाकायदा समझौता करना पड़ा।

इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अपने देश और सरकार को इस अपमानजनक स्थिति में पहुंचाने के लिए अगर कोई एक व्यक्ति सबसे ज्यादा जिम्मेदार है तो वह हैं खुद प्रधानमंत्री इमरान खान। फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने अगर मोहम्मद साहब के कार्टून छापने को अपने देश के अंदर अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़ा मसला बताया था, तो यह उनके देश और संविधान के दायरे में आने वाली बात थी। अन्य देशों की तरह पाकिस्तान के भी धार्मिक कट्टरपंथी संगठनों ने इस पर प्रतिक्रिया दी भी तो बतौर प्रधानमंत्री इमरान खान को उससे दूरी बनाए रखनी चाहिए थी। मगर उन्होंने इसे इस्लामी जगत में अपना कद ऊंचा करने के एक मौके के रूप में देखा और भुनाने में जुट गए। इसी का परिणाम है कि देश के अंदर कट्टरपंथियों की हिम्मत और ताकत इस कदर बढ़ गई कि उन्होंने सरकार को घुटने पर ला दिया। मामला भले पाकिस्तान का हो, सबक इसमें हर देश और समाज के लिए है। धार्मिक कट्टरपंथ को अगर आपने किसी भी रूप में बढ़ावा देना शुरू किया तो फिर यह सिलसिला आसानी से नहीं थमता। आखिरकार उसकी कीमत पूरे समाज को चुकानी पड़ती है।

सभ्यता की वाहक और परिवर्तन का इंजन हैं किताबें

योगेश कुमार गोयल

> आधुनिकता के दौर में भले ही बच्चों के साथ-साथ बड़ों का लगाव भी पुस्तकों के प्रति कम हो गया है किन्तु बुद्धिजीवियों का स्पष्ट मानना है कि हर समय यह संभव नहीं है कि पुस्तकों के स्थान पर मोबाइल या लैपटॉप आदि से पढ़ा जाए। दरअसल किताबें हर समय साथ निभाती हैं और वास्तविक संतुष्टि किताबें पढ़ने से ही मिलती है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि जिन लोगों की दिलचस्पी पुस्तकों में होती है, वे पुस्तक पढ़े बिना संतुष्ट नहीं होते, फिर भले ही उस पुस्तक में वर्णित बातें विभिन्न संचार माध्यमों से वे पहले ही जान चुके हों।

यूनेस्को तथा दुनियाभर के अन्य संबंधित संगठनों द्वारा लेखकों और पुस्तकों को वैश्विक सम्मान देने तथा पढ़ने की कला को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 23 अप्रैल को विश्व पुस्तक दिवस मनाया जाता है। वैसे इस दिवस के आयोजन का अहम उद्देश्य लोगों को पुस्तकें पढ़ने, कॉपीराइट कानूनों तथा अन्य उपायों को समझने के लिए प्रोत्साहित करना है। इंग्लैंड तथा आयरलैंड को छोड़कर विश्व पुस्तक दिवस का आयोजन दुनियाभर के करीब सौ देशों में होता है। दरअसल कुछ स्थानीय कारणों की वजह से इंग्लैंड और आयरलैंड में यह दिवस 23 अप्रैल के बजाय 03 मार्च को मनाया जाता है। 193 सदस्य देशों और 6 सहयोगी सदस्यों की संस्था यूनेस्को द्वारा विश्व पुस्तक तथा कॉपीराइट दिवस का औपचारिक शुभारंभ 23 अप्रैल 1995 को किया गया था। हालांकि स्पेन में पुस्तक विक्रेताओं द्वारा इस आयोजन की नींव वर्ष 1923 में सुप्रसिद्ध लेखक मिगुएल डे सरवेन्टीस को सम्मानित करने हेतु आयोजन के समय ही रख दी गई थी, जिनका निधन 23 अप्रैल के दिन ही हुआ था। 23 अप्रैल 1995 को पेरिस में आयोजित यूनेस्को जनरल कांफ्रेंस द्वारा विश्वभर में लेखकों तथा पुस्तकों को श्रद्धांजलि व सम्मान देने के लिए अंतिम रूप देते हुए इस दिन को विश्व पुस्तक दिवस के रूप में चुना गया। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2001 से इस दिन को विश्व पुस्तक दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई। साहित्यिक क्षेत्र में यह दिन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि 23 अप्रैल साहित्य क्षेत्र से जुड़ी अनेक विभूतियों का जन्म अथवा निधन का दिन है।

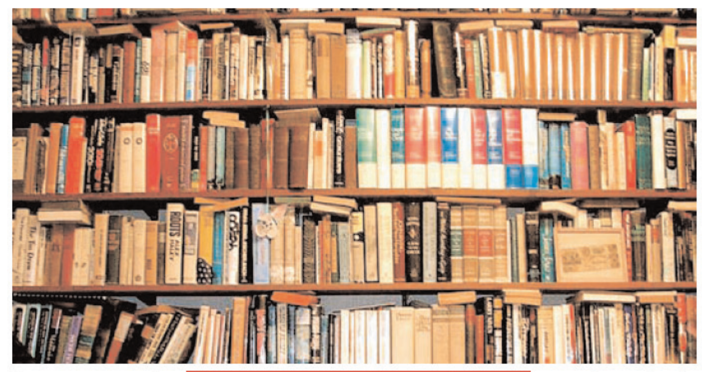

विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस (23 अप्रैल) पर विशेष

आधुनिकता के दौर में भले ही बच्चों के साथ-साथ बड़ों का लगाव भी पुस्तकों के प्रति कम हो गया है किन्तु बुद्धिजीवियों का स्पष्ट मानना है कि हर समय यह संभव नहीं है कि पुस्तकों के स्थान पर मोबाइल या लैपटॉप आदि से पढ़ा जाए। दरअसल किताबें हर समय साथ निभाती हैं और वास्तविक संतुष्टि किताबें पढ़ने से ही मिलती है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि जिन लोगों की दिलचस्पी पुस्तकों में होती है, वे पुस्तक पढ़े बिना संतुष्ट नहीं होते, फिर भले ही उस पुस्तक में वर्णित बातें विभिन्न संचार माध्यमों से वे पहले ही जान चुके हों। कुछ विद्वानों का मत है कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, टीवी, सोशल मीडिया इत्यादि वैचारिक युद्ध में हमें जानकारी तो अवश्य दे सकते हैं किन्तु संचार के ये माध्यम प्रायः निष्क्रिय स्वीकृति ही पैदा करते हैं। कहा भी गया है कि पुस्तकें पढ़ना भाषणों या विचार सुनने से बेहतर है। दरअसल इंटरनेट या विभिन्न संचार माध्यमों से मिलने वाली जानकारियों को हमारे मस्तिष्क को चुपचाप ग्रहण करना पड़ता है, जो दिमाग की खुद की कल्पनाशीलता को कुंद कर देते हैं जबकि किताबें पढ़ने के लिए ध्यान, एकाग्रता और मेहनत की आवश्यकता होती है, जिससे विचारों और भावनाओं के लिए नई रोशनी व प्रोत्साहन मिलता है। कोरोना काल में इस साल फिर से अधिकांश स्कूल-कॉलेज बंद हो गए हैं और विभिन्न राज्यों में लगी अलग-अलग तरह की पाबंदियों के कारण बहुत से लोग अपना समय घर में ही व्यतीत रहे हैं, ऐसे माहौल में जरूरी है कि टीवी या सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों से चिपके रहने के बजाय पुस्तकों की दुनिया को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाया जाए ताकि रचनात्मकता का उपयोग करते हुए क्षितिज का विस्तार करने में पुस्तकों की शक्ति का बेहतर उपयोग किया जा सके। किताबों की महत्ता को परिभाषित करते हुए अमेरिकी इतिहासकार व लेखक बारबरा डब्ल्यू तुचमन का कहना था कि किताबें सभ्यता की वाहक हैं, जिनके बिना इतिहास मौन है, साहित्य गूंगा है, विज्ञान अपंग है, विचार और अटकलें स्थिर हैं। किताबें परिवर्तन का इंजन हैं, विश्व की खिड़कियां हैं, समय के समुद्र में खड़ा प्रकाश स्तंभ हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति अब्राहिम लिंकन का कहना था कि जो बातें मैं जानना चाहता हूं, वह किताबों में हैं और मेरा सबसे अच्छा मित्र वही है, जो मुझे ऐसी किताब दे, जो मैंने पढ़ी न हो। प्रसिद्ध आयरिश नाटककार, आलोचक, राजनीतिज्ञ व राजनीतिक कार्यकर्ता बनार्ड शॉ ने विचारों की लड़ाई में पुस्तकों को ही सबसे शक्तिशाली हथियार बताया था। हिटलर के बारे में तो कहा जाता है कि उसने जर्मनी में यूनिवर्सिटी के पुस्तकालय में सारी किताबें जलवा दी थी। दरअसल उसका और उसके सलाहकारों का मानना था कि किताबें बड़ी से बड़ी सेनाओं को भी पराजित कर सकती हैं। किताबों के लेखन को लेकर नोबेल पुरस्कार विजेता प्रख्यात लेखिका टोनी मोरिसन ने कहा था कि कोई ऐसी पुस्तक, जो आप दिल से पढ़ना चाहते हैं लेकिन जो लिखी न गई हो, ऐसे में आपको चाहिए कि आप ही इसे जरूर लिखें। फ्रांसीसी कवि चार्ल्स बौडेलेर का कहना था कि एक किताब एक उद्यान है, एक बगीचा, एक स्टोरहाउस, एक पार्टी, एक साथी, एक परामर्शदाता, परामर्शदाता का झुण्ड है। पुस्तकों की महत्ता और इनसे अर्जित ज्ञान के संबंध में सदैव कहा जाता रहा है कि ज्ञान कभी बेकार नहीं होता और पुस्तकें विभिन्न संस्कृतियों, पहचानों और भाषाओं के माध्यम से अपनी विशिष्टताओं को प्रकट करते हुए एक कहानी और एक सामान्य विरासत के आसपास लोगों को एक साथ लाती हैं। बहरहाल, आज के युग में समयाभाव का रोना रोते हुए हम भले ही त्वरित जानकारियों के लिए सोशल मीडिया या अन्य संचार स्रोतों पर आश्रित हो जाएं लेकिन सच यही है कि ज्ञान, मनोरंजन और अनुभव की बातें कहती किताबों की महत्ता कभी कम नहीं हो सकती और न ही कभी किताबों का अस्तित्व मिट सकता है।

।। अनमोल वचन ।।

आपको आराम के समय कियाशील रहना चाहिए और आपको गतिविधि के समय स्थिर रहना सीख लेना चाहिए।

ईलाज के अभाव में बिहार में लाशों का पतझड़ है लेकिन नीतीश. भाजपा की नूरा.कुश्ती चरम पर है। एमएलसी पद के बदले प्राप्त नए प्यादे से सीएम भाजपा अध्यक्ष को जवाब दिलवाते है फिर भाजपा उसकी जाति के मंत्री से ही उस प्यादे को जवाब दिलवाती है। जनता और बिहार जाए भाड़ में! इन्हें क्या मतलब शर्मनाक!

तेजस्वी यादव, राजद नेता

> बस यहीं से जिन्दगी बचाने का कालाबाजार शुरू हो रहा है। सीधा-सा प्रश्न है जो सामान्य व्यक्ति भी करेगा कि जब इतना बड़ा निजी अस्पताल इंजेक्शन की व्यवस्था नहीं कर पा रहा है तो मरीज का परिजन कहां से कर पाएगा। अधिकतर तो फार्मेसी शब्द भी नहीं जानते, सिर्फ दवाई की दुकान से ही पुकारते हैं। ऐसे में अब उन्हें किसी जानकार की दरकार होती है जो महंगी दवाई उचित दर पर दिला दे। हालांकि कुछ ही देर में उन्हें जानकार अस्पताल में ही उपलब्ध हो जाते हैं। पहले तो वे तथाकथित जानकार एक दो मेडिकल डिस्ट्रीब्यूटर का पता देते हैं, लेकिन वहां से इंजेक्शन उपलब्ध हो रहा होता तो क्या अस्पताल की फार्मेसी नहीं मंगवा लेती।

निजी अस्पतालों में 'सांसों' की कालाबाजारी

यह मजबूरी ही है कि चिकित्सा क्षेत्र में सरकारी व्यवस्थाओं को असंतोषजनक मानते हुए व्यक्ति निजी अस्पतालों की ओर रुख करता है और जब वहां ठगा जाता है तब उसे महसूस होता है कि काश, सरकारी में ही भर्ती हो जाते।...खैर यह तो सामान्य बात हो चुकी है। अबतक तो निजी अस्पताल मोटे बिलों के कारण ही चर्चा में रहते आए हैं, लेकिन मौजूदा कोरोना दौर में निजी अस्पतालों में दलाल पनप गए हैं जो जरूरी जीवन रक्षक इंजेक्शन की कालाबाजारी कर रहे हैं। इनमें चिकित्सा के पवित्र पेशे से जुड़े लोग भी संलिप्त हैं।

सभी जानते हैं कि कोई व्यक्ति निजी अस्पताल में इसलिए भर्ती होता है क्योंकि उसे वहां अच्छी सार-संभाल का भरोसा होता है। व्यक्ति पैसे की चिंता नहीं करता, सिर्फ सार-संभाल और उपचार की सुविधाओं पर भरोसा करता है। निजी अस्पतालों की पहली शर्त ही होती है कि वहां भर्ती होने पर सारी दवाएं उसी अस्पताल की फार्मेसी से लिया जाना अनिवार्य होगा। ऐसे में जिस भी दवा की जरूरत है, निजी अस्पताल की फार्मेसी ही उपलब्ध कराती है। जो लोग भर्ती होते हैं उनके परिजनों को भी यह निश्चिंतता होती है कि निजी अस्पताल में ज्यादा दौड़ना नहीं पड़ेगा। लेकिन, पिछले दिनों कोविड के मामलों में जरूरी इंजेक्शन की पर्ची मरीजों के तीमारदारों को थमाई जाने लगी है।

बस यहीं से जिन्दगी बचाने का कालाबाजार शुरू हो रहा है। सीधा-सा प्रश्न है जो सामान्य व्यक्ति भी करेगा कि जब इतना बड़ा निजी अस्पताल इंजेक्शन की व्यवस्था नहीं कर पा रहा है तो मरीज का परिजन कहां से कर पाएगा। अधिकतर तो फार्मेसी शब्द भी नहीं जानते, सिर्फ दवाई की दुकान से ही पुकारते हैं। ऐसे में अब उन्हें किसी जानकार की दरकार होती है जो महंगी दवाई उचित दर पर दिला दे। हालांकि कुछ ही देर में उन्हें जानकार अस्पताल में ही उपलब्ध हो जाते हैं। पहले तो वे तथाकथित जानकार एक दो मेडिकल डिस्ट्रीब्यूटर का पता देते हैं, लेकिन वहां से इंजेक्शन उपलब्ध हो रहा होता तो क्या अस्पताल की फार्मेसी नहीं मंगवा लेती। अब वह जानकार अपना खेल शुरू करता है और किसी और जानकार के नंबर देता है।

अब 40 हजार वाले टोसिल इंजेक्शन के लिए मुंहमांगा दाम देना तीमारदार की मजबूरी हो जाती है। एक तीमारदार ने पीड़ा सिर्फ इस शर्त पर बताई कि उसका नाम कहीं नहीं बताया जाएगा क्योंकि फिर उसके बीमार परिजन के उपचार में कोताही की पूरी आशंका उसे परेशान किए रहती है। उस तीमारदार ने टोसिल इंजेक्शन एक लाख 60 हजार में खरीदा। इस बात पर विश्वास करने के लिए एक ही आधिकारिक उदाहरण काफी है कि उदयपुर में 21 अप्रैल 2021 को स्पेशल पुलिस ने डेकॉय ऑपरेशन किया जिसमें दलालों ने रेमडेसिविर के 35 हजार रुपये वसूले। पकड़े गए दो युवकों में से एक चिकित्सक (कॉर्डियोलॉजिस्ट) था और एक एमबीबीएस का सेकंड ईयर का स्टूडेंट, दोनों एक निजी मेडिकल कॉलेज व अस्पताल के हैं। सवाल यह है कि इंजेक्शन की जरूरत जानकार को तुरंत कैसे पता चल जाती है। इसमें निजी अस्पतालों के कतिपय कार्मिकों की भूमिका को भी टटोला जाना चाहिए। यह भी जांच का विषय है कि परिजन द्वारा लाए गए ऐसे महंगे इंजेक्शन का इंद्राज मरीज की मेडिकल रिपोर्ट में होता है या नहीं, क्या पता अंदर इंजेक्शन लगाया भी या नहीं, परिजन तो सामने होते नहीं। फिर उस इंजेक्शन की बिलिंग कहां से होती है। होती भी है या नहीं। भले ही एमआरपी का ही बिल हो, लेकिन यह तो पता चलेगा कि अमुक इंजेक्शन उपलब्ध कहां पर है। लेकिन, ऐसा शायद ही किया जाता होगा। जबकि, लाइफ सेविंग वाले इन महंगे इंजेक्शन में निर्माण से लेकर मरीज को लगाने तक की पूरी ट्रेल का लेखा-जोखा अनिवार्यतः रखने का प्रावधान है।

ऐसा नहीं है कि सरकार के पास पकड़ने का सिस्टम नहीं है। सारे निजी अस्पतालों से अचानक छापा मारकर ऐसे इंजेक्शन का बिलिंग सहित रिकॉर्ड, मैन्यूफैक्चरर से सीएण्डएफ, डिस्ट्रीब्यूटर तक के कागजों की ट्रेल और जिस मरीज को लगाया गया है उसकी मेडिकल रिपोर्ट और उसकी बिलिंग जब्त करके सरकार जांच कर सकती है। चोर की दाढ़ी में कहीं न कहीं तो तिनका मिल ही जाएगा। बस ढूंढ़कर निकालने में ईमानदारी बरती जाए तो। सबसे खास बात यह कि हमलोग जो सरकारी स्कूल और सरकारी अस्पतालों को दोयम दर्जे का मानने लगे हैं, उनका मूल्य इसी तरह के अनुभवों के साथ समझ में आता है। आपको बता दें कि 40 हजार की कीमत वाला इंजेक्शन सरकारी अस्पतालों में सरकार मरीज को (उसी को जिसे वास्तव में इसकी जरूरत आन पड़ती है) निःशुल्क मुहैया कराती है और कराए भी हैं। ऐसे में सरकारी व्यवस्थाओं में यदि हम सहयोगी बनें, तो निजी अस्पतालों की बढ़ती मनमानी पर स्वतः लगाम लगनी शुरू हो जाएगी। उदाहरणतः उद्योगपतियों, समाजसेवियों, भामाशाहों ने सरकारों के आह्वान पर ऑक्सीजन की आपूर्ति की ओर कदम बढ़ाए तो 24 घंटे में तस्वीर बदल गई। इसी तरह उद्योगों से जुड़ी संस्थाएं उनसे जुड़े निजी अस्पतालों में नैतिक मूल्यों की स्थपाना के लिए प्रयास करें तो सुधार का दस प्रतिशत ही जीवन और मौत के काले बाजार को खत्म कर देगा।

कौशल

प्रेरक प्रसंग

दान का फल

एक बार की बात है। संत राबिया की कुटिया पर दो फकीर पधारे और बोले, राबिया, हो सके तो हमारे लिए भोजन की व्यवस्था कर दीजिए। फकीरों के खाना मांगने पर संत राबिया ने घर में देखा तो पाया कि वहां तो दो ही रोटियां थीं। इतने में एक भिखारी ने भी आवाज लगाई, भूखा हूं, कुछ खाने को दो। अब राबिया ने दोनों रोटियां उस भिखारी को दे दीं। तभी छोटी सी एक लड़की पोटली लेकर आई और बोली, ये अम्मा ने भेजी है।

राबिया ने उस पोटली को खोला तो पाया कि उसमें काफी रोटियां थीं। उन्होंने वे रोटियां फकीरों को परोस दीं। फकीर भी वहीं खड़े सब कुछ देख रहे थे, तो उन्होंने कहा, भोजन तो हम बाद में करेंगे, पहले जो कुछ हुआ, वह हमें समझाओ। संत राबिया बोलीं, घर में केवल दो ही रोटियां थीं, इतने में भिखारी आ गया। खुदा का नाम लेकर दोनों रोटियां मैंने उसे दे दी। साथ ही साथ खुदा से दुआ भी की, ऐ खुदा! सुना है कि तू दिए दान का दस गुना तो अवश्य ही वापस करता है। इसलिए आज मुझे इस दान का फल तुरंत देना। राबिया बोलीं, वह लड़की जब रोटियां लेकर आई, तो गिनने पर पाया कि केवल 18 रोटियां ही हैं, जबकि दो का दस गुना तो बीस होता है। मैंने सोचा कि क्या परमात्मा के विधान में भी कोई गलती हो सकती है? लगता है कि या तो मुझसे या फिर रोटी भेजने वाली महिला से कुछ गलती हो गई। लेकिन फिर जब मैंने दोबारा गिनती की, तो कुल बीस रोटियां थीं। मैं खुदा की शुक्रगुजार हूं कि उसने मेरी लाज रख ली, और द्वार पर आए आप लोगों को भूखा नहीं जाने दिया। यह सुनकर फकीर बोले, तुम, तुम्हारी ईश्वर भक्ति और आस्था धन्य है।

सच तो छिपता नहीं...

नरेंद्र मोदी सरकार ने अर्थव्यवस्था से लेकर कोरोना तक में अपना सबसे कारगर हथियार सच पर परदा डालने को माना। तरीका यह रहा कि अगर आर्थिक आंकड़े अनुकूल ना हों, तो आंकड़े जुटाने का पैमाना बदल दो। बड़े समर्थक जमातों में ये तरीका कारगर रहा। तो इसे कोरोना महामारी में आरंभ से अपनाया गया। संक्रमण और मौतों के कम आंकड़े बता कर सुर्खियों को संभालने की रणनीति यहां भी अपनाई गई। पिछले साल गुजरात हाई कोर्ट ने जब इस बारे में सवाल पूछे तो राज्य सरकार ने बेहिचक कहा था कि सच बताने पर घबराहट फैलेगी। तब चूंकि सच कम भयानक था, इसलिए वो बात चल गई। लेकिन इस बार जब सच विकराल हो गया, तो अब खड़ी गई दीवारों के ऊपर से झांक रहा है। खुद गुजरात हाई कोर्ट कह चुका है कि हकीकत उससे कहीं बदतर है, जितना सरकार बता रही है। अब मीडिया रिपोर्टों से भी सामने आया है कि मौतों का जो आंकड़ा बताया गया है, असल में हुई मौतें उससे न सिर्फ ज्यादा, बल्कि बहुत ज्यादा हैं। एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक 16 अप्रैल को जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक राज्य कुल 78 मौतें हुईं। जबकि सिर्फ अहमदाबाद, सूरत, राजकोट, वडोदरा, गांधीनगर, जामनगर और भावनगर में 689 शव अंत्येष्टि के लिए लाए गए। इन सबकी अंत्येष्टि कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए हुई। जाहिर है, इसमें गुजरात के बाकी हिस्सों के आंकड़े शामिल नहीं हैं और यह रोजाना की कहानी है। लेकिन ये कहानी सिर्फ गुजरात की नहीं हैं।

उत्तर प्रदेश में अलग-अलग शहरों से मिलने वाली खबरें सरकारी आंकड़ों पर भरोसा नहीं करने देतीं। दरअसल, शवदाह गृहों, श्मशान घाटों, कब्रिस्तानों पर अपने प्रियजनों के अंतिम संस्कार के लिए लगीं लंबी लाइनें संकेत देती हैं कि सरकारी दावों की तुलना में समस्या कहीं ज्यादा भयावह है। एक अंग्रेजी अखबार ने गाजियाबाद के श्मशान घाट से ऐसी ही ग्राउंड रिपोर्ट प्रकाशित की है। एक वेबसाइट की रिपोर्ट के मुताबिक जब उसके संवाददाता वाराणसी के हरिश्चंद्र घाट, मणिकर्णिका घाट और कब्रिस्तानों के संभावित आंकड़ों के आधार पर एक आकलन किया। इसके मुताबिक वेबसाइट ने दावा किया है कि एक से 15 अप्रैल के बीच हुईं कुल कोरोना मौतों में से करीब 50 फीसदी मौतों को उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने आधिकारिक आंकड़ों में छिपा लिया। लेकिन अब आंकड़ों के खेल से बात छिपाए छिप नहीं रही है।

ओलिंपिक्सः खिलाड़ी हैं कम पर मेडल के लिए पूरा दम

ओलिंपिक्स के आयोजन में अब 100 दिन से भी कम बचे हैं। क्वॉलिफाइंग टूर्नामेंट भी अब धीरे-धीरे खत्म होते जा रहे हैं। भारतीय खिलाड़ियों ने भी कई स्पर्धाओं में क्वॉलिफाई किया है, लेकिन यह संख्या पिछली बार की तुलना में निराशाजनक है। पिछली बार भारत के 117 खिलाड़ियों ने 67 स्पर्धाओं के लिए क्वॉलिफाई किया था, लेकिन इस बार अभी तक 91 ऐथलीट 48 स्पर्धाओं के लिए ही क्वॉलिफाई कर पाए हैं। हालांकि कई ऐथलीट के पास अभी भी क्वॉलिफाई करने का मौका है। खासकर बैडमिंटन, ऐथलेटिक्स और रेसलिंग में अभी और खिलाड़ी क्वॉलिफाई कर सकते हैं, लेकिन पिछली बार की संख्या को पार कर पाना मुश्किल ही लग रहा है। बहरहाल, क्वॉलिफाई करने में भले इस बार थोड़ा पीछे रहे हों, लेकिन पदकों की संख्या पिछली बार से बढ़ने की उम्मीद है।

अगर हम उम्मीद पर ही बात करें तो भारत के लिए पदक की सबसे बड़ी उम्मीद एक बार फिर रेसलिंग ही होगी। हॉकी के बाद अगर ओलिंपिक्स में भारत को किसी खेल में लगातार मेडल मिले हैं, तो वह रेसलिंग ही है। पिछले तीन ओलिंपिक्स से मेडल जीत रहे पहलवानों की इस परंपरा को इस बार महिलाओं में दिग्गज विनेश फोगाट, सोनम मलिक, अंशु मलिक और पुरुषों में बजरंग पूनिया, दीपक पूनिया और रवि दहिया आगे बढ़ा सकते हैं।

इस बीच, भारतीय पुरुष हॉकी टीम इन दिनों जिस तरह का प्रदर्शन कर रही है उसे देखते हुए यहां भी पदक का सूखा खत्म होने के पूरे आसार हैं। इसके अलावा बैडमिंटन में पीवी सिंधु अपने पिछले पदक को गोल्डन रंग में रंगना चाहेंगी, तो जैवलीन थ्रोअर नीरज चोपड़ा भी अपने बेहतरीन खेल से ऐथलेटिक्स में भारत को पहली बार व्यक्तिगत स्वर्ण पदक दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेंगे। आर्चरी में भी हमारे आर्चरों से इस बार सटीक निशाने की उम्मीद है, जबकि टेबल टेनिस में मनिका बत्रा कुछ कमाल कर सकती हैं।

हमारे कई और दिग्गज हैं जो ओलिंपिक्स के लिए क्वॉलिफाई करने के करीब हैं। इनमें सबसे बड़ी संख्या बैडमिंटन में हो सकती है। सिंधु की जगह तो तय है ही, लेकिन महिला वर्ग में साइना नेहवाल फिलहाल अगर-मगर में फंसी हुई हैं। पुरुष सिंगल्स की बात करें तो किदांबी श्रीकांत और साई प्रणीत की भी जगह लगभग तय है। लक्ष्य सेन ने भी खुद को होड़ में बनाए रखा है। डबल्स में भी हमारे कई खिलाड़ी क्वॉलिफाई कर सकते हैं। दिल्ली में 11 से 16 मई तक प्रस्तावित इंडिया ओपन सुपर टूर्नामेंट से बैडमिंटन में खिलाड़ियों का रास्ता आसान हो जाता, लेकिन इसके स्थगित होने से कई सारे खिलाड़ियों के हाथ बस निराशा ही लगी है। इस बीच वेटलिफ्टिंग में मीराबाई चानू को भी रविवार को ओलिंपिक का टिकट मिल गया। चानू भी अगर-मगर में फंसी हुई थीं। वैसे नॉर्थ कोरिया के कोरोना के चलते ओलिंपिक से हटने के बाद उनका टिकट पक्का हो ही गया था, लेकिन रविवार को चानू ने एशियाई चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज जीतकर टिकट के इंतजार को खत्म कर दिया। हालांकि अभी सारी निगाहें देश के अंदर की स्थिति पर ही टिकी हुई हैं। जिस तरह कोरोना लगातार फैल रहा है और खिलाड़ी भी इसकी चपेट में आ रहे हैं, उसे देखते हुए अभी अंतिम तौर पर कुछ भी कहना जल्दबाजी हो सकता है।

संक्षेप में...

जोकोविक ने सर्बिया ओपन की शुरूआत जीत से की

लबेलग्रेड। दुनिया के नम्बर-1 टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविक ने अपने गृहनगर बेलग्रेड में जारी सर्बिया ओपन की शुरूआत सीधे सेटों की जीत के साथ की है। जोकोविक ने पहले मुकाबले में दक्षिण कोरिया के क्वोन सून वू को 6-1, 6-3 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। जोकोविक ने अपने प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ मात्र 90 मिनट में जीत हासिल की और अंतिम-8 में जगह सुरक्षित कराया। यह एटीपी 250 इवेंट आठ साल के अंतराल के बाद फिर से आयोजित किया जा रहा है। इस टूनार्मेंट का आयोजन नोवाक टेनिस सेंटर पर हो रहा है और इसकी पुरस्कार राशि 6.5 लाख यूरो है।

महिला मुक्केबाजों ने यूथ चैम्पियनशिप में बड़ी संख्या में पदक पक्के किए

कील (पोलैंड)। भारतीय महिला मुक्केबाजी टीम यहां जारी युवा पुरुष और महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में कई पदक जीतने की राह पर है क्योंकि उनमें से सात ने अपने संबंधित भार वर्गों के फाइनल में जगह बना ली है।। गितिका नरवाल महिलाओं के 48 किग्रा के स्वर्ण पदक के मुकाबले में घरेलू पसंदीदा नतालिया डोमिनिका से भिड़ेंगी। बेबी नोरेम चानू के सामने हालांकि अधिक चुनौतीपूर्ण कार्य होगा क्योंकि वह महिलाओं के 51 किग्रा वर्ग के फाइनल में रूस की वलेरिया लिंकोवा से भिड़ेंगी। तीसरे फाइनल में पूनम पूनिया का सामना 57 किग्रा में फ्रांस की स्टील्नी ग्रॉसी से होगा। 60 किग्रा के फाइनल में, विंका कजाकिस्तान के झुलडीज श्याखेतोवा के खिलाफ लड़ेंगी। अरुंधति महिला 69 किग्रा के फाइनल में पोलैंड की बारबरा मान्कोव्स्का से भिड़ेंगी जबकि सनमचा चानू महिलाओं के 75 किग्रा फाइनल में काजाक्षन से दाना डायद से भिड़ेंगी। भारत के हैवीवेट मुक्केबाज अल्फिया पठान (81 प्लस किग्रा) दिन के अंतिम फाइनल में डारिया कोजोरज मोल्दोवा से भिड़ेंगी। सभी फाइनल गुरुवार शाम को होंगे।

ओलंपिक में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों को टीका लगाया जाएगा : बाक

लुसाने। अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाक इस बात को लेकर आश्वस्त है कि इस साल टोक्यो ओलंपिक में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों को कोविड-19 टीका लगाया जाएगा। बाक ने बुधवार को आईओसी के कार्यकारी बोर्ड की बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, मुझे लगता है कि हम यह कह सकते हैं कि ओलंपिक विलेज में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों को जापानी आबादी को अपनी सुरक्षा और एकजुटता के लिए टीका लगाया जाएगा। डीपीए की रिपोर्ट के अनुसार, बाक ने हालांकि कहा कि खेलों से दो महीने पहले टीकाकरण अनिवार्य नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, लेकिन हम सभी राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों और ओलंपिक टीमों को टीका लगाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं और वास्तव में, हम एक अच्छी प्रक्रिया देख सकते हैं। खेलों से पहले अपने जापान दौरे के बारे में पूछे जाने पर बाक ने कहा, यह अभी भी योजना में है, इसलिए मैं इसकी पुष्टि नहीं कर सकता। एक बार व्यवस्था किए जाने के बाद वे निश्चित रूप से सार्वजनिक हो जाएंगे। कोरोना वायरस महामारी के कारण टोक्यो ओलंपिक 2020 को एक साल के लिए स्थगित कर दिया गया था

सुपर लीग से हटना सही कदम था : फर्नांडिन्हो

लंदन। मैनचेस्टर सिटी के कप्तान फर्नांडिन्हो का मानना है कि यूरोपियन सुपर लीग के पतन के बाद फुटबॉल की जीत हुई है। डीपीए की रिपोर्ट के अनुसार, मैनचेस्टर सिटी उन 12 क्लबों में से एक है, जिन्होंने विवादस्पद सुपर लीग से हटने की पुष्टि की थी। फर्नांडिन्हो ने स्वीकार किया कि सुपर लीग से हटने से बहुत से खिलाड़ियों को राहत मिली है। उन्होंने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, यह पागलपन है। सोमवार को यह सुपर लीग सामने आती है, हम थोड़ा आश्चर्यचकित थे। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद नहीं थी कि लेकिन, अंत में, मुझे लगता है कि अच्छी समझदारी ही सही थी। मुझे लगता है कि हर कोई जो फुटबॉल से प्यार करता है उसने इस सुपर लीग का समर्थन नहीं किया, जिसमें हमारे क्लब के खिलाड़ी भी शामिल हैं।

जडेजा बेस्ट फील्डर, डिविलियर्स को 15 फीसदी वोट मिले

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग हो या फिर भी कोई भी टूनार्मेंट हार-जीत में फील्डिंग बहुत बड़ा रोल प्ले करती है। हर टीम अपने प्लेइंग इलेवन में ऐसे खिलाड़ी रखना चाहती है, जो फील्डिंग के मामले में सबसे तेज हों। एबी डिविलियर्स, रवींद्र जडेजा, हार्दिक पंड्या और राहुल तेवतिया ऐसे ही कुछ नाम हैं, जिन्होंने फील्डिंग के मामले में अपनी अलग पहचान बनाई है। इसमें सबसे ज्यादा 70.1 फीसदी लोगों का मानना है कि चेन्नई सुपरकिंग्स के जडेजा इस सीजन में अब तक सबसे बेहतरीन फील्डर रहे हैं। उनके बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के डिविलियर्स को 15त्न वोट मिले। मुंबई इंडियंस के पंड्या को 11.2 फीसदी और राजस्थान रॉयल्स के राहुल तेवतिया को 3.7 फीसदी वोट मिले। इससे पहले पंजाब किंग्स के खिलाफ भी जडेजा की फील्डिंग ने चेन्नई की जीत की नींव रखी थी।

आईपीएल-14 : पडिकल का नाबाद शतक

10 विकेट से जीत के साथ फिर से टॉप पर पहुंचा बेंगलोर

■ मुंबई

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने देवदत्त पडिकल (नाबाद 101) और कप्तान विराट कोहली (नाबाद 72) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर गुरुवार को यहां के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए आईपीएल के 14वें सीजन के 16वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को 10 विकेट से हरा दिया। बेंगलोर की इस सीजन में यह लगातार चौथी जीत है। टीम को अब तक एक भी हार नहीं मिली है। बेंगलोर ने आईपीएल के इतिहास में पहली बार लगातार चार मैच जीते हैं। राजस्थान ने टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 9 विकेट पर 177 रन का स्कोर बनाया जिसे, बेंगलोर ने 16.3 ओवरों में बिना कोई विकेट खोकर हासिल कर लिया। राजस्थान से मिले 178 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बेंगलोर ने पडिकल और कोहली ने पहले विकेट के लिए 181 रनों की शतकीय साझदोरी की। आईपीएल के इतिहास में पहले विकेट के लिए यह अब तक की सबसे बड़ी साझेदारी है। बेंगलोर के लिए पडिकल ने 52 गेंदों पर 11 चौके और छह छक्के लगाए। कोहली ने 47 गेंदों पर छह चौके और तीन छक्के लगाए। कोहली के इसके साथ ही आईपीएल में 6000 रन पूरे हो गए हैं और वह ऐसा करने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज हैं। बेंगलोर की इस सीजन में चार मैचों में यह लगातार

चौथी जीत है और अब वह आठ अंकों के साथ फिर से तालिका में टॉप पर पहुंच गया है। राजस्थान को चार मैचों में तीसरी हार झेलनी पड़ी है और वह दो अंकों के साथ सातवें नंबर पर है। इससे पहले, राजस्थान रॉयल्स ने नौ विकेट पर 177 रनों का स्कोर बनाया। राजस्थान की ओर से शिवम दुबे ने सबसे अधिक 46 रन बनाए जबकि रियान पराग ने 25 तथा राहुल तेवतिया ने 40 रन जोड़े। बेंगलोर की ओर से मोहम्मद सिराज और हर्षल पटेल ने तीन- तीन विकेट लिए। राजस्थान की शुरूआत अच्छी नहीं रही। उसने 14 रन के कुल योग पर ही अपने स्टार ओपनर जोस बटलर (8) का विकेट गंवा दिया। बटलर को मोहम्मद सिराज ने बोल्ड किया। राजस्थान को 16 के कुल योग पर एक और झटका लगा। उसके दूसरे ओपनर मनन वोहरा (7) काइल जेमिसन की गेंद पर केन रिचर्डसन के हाथों लपके गए। राजस्थान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही थी। कुल योग पर अभी दो ही रन जुड़े कि डेविड मिलर (0) को सिराज ने पदबाधा आउट कर दिया। कप्तान संजू सैमसन (21) ने अपनी टीम की मुश्किलें रहने की पूरी कोशिश की लेकिन वॉशिंगटन सुंदर ने उन्हें 45 के कुल योग पर ग्लैन मैक्सवेल के हाथों कैच कराकर राजस्थान को चौथा झटका दिया। इसके बाद शिवम दुबे (46 रन, 32 गेंद, 5 चौके, 2 छक्के) और रियान पराग (25 रन, 16 गेंद, 4 चौके) ने संभलकर खेलते हुए स्कोर को 100 के पार पहुंचाया। पराग 14वें ओवर की तीसरी गेंद पर हर्षल पटेल का शिकार हुए। पराग ने 16 गेंदों का सामना कर चार चौके लगाए। उनका विकेट 109 के कुल योग पर गिरा। दुबे का साथ देने राहुल तेवतिया आए। लगा कि दोनों मिलकर स्कोर को मजबूती देंगे, लेकिन 133 के कुल योग पर दुबे आउट हो गए। दुबे को केन ने मैक्सवेल के हाथों कैच कराया। राहुल तेवतिया (40 रन, 23 गेंद, 4 चौके, 2 छक्के) ने इसके बाद खुलकर तेवर दिखाए, लेकिन आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी क्रिस मौरिस (10) कुछ खास नहीं कर सके। दोनों का विकेट 170 के कुल योग पर गिरा। इसी योग पर चेतन सकारिया (0) भी आउट हुए।

स्लो ओवर रेट के लिए कोलकाता के कप्तान पर 12 लाख का जुमार्ना

धोनी-रोहित पर भी पेनाल्टी लगाई जा चुकी

■ मुंबई

कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल के 14वें सीजन के 15वें मैच में हार का सामना करना पड़ा। उसे चेन्नई सुपर किंग्स ने रोमांचक मुकाबले में 18 रनों से हराया। मैच गंवाने के बाद ङ्कङ्गक्र के कप्तान ओएन मॉर्गन पर जुमार्ना भी लगाया गया। मोर्गन की टीम चेन्नई के खिलाफ स्लो ओवर रेट की दोषी पाई गई।
आईपीएल ने प्रेस रिलीज में इसकी जानकारी दी। बयान के मुताबिक, आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के तहत स्लो ओवर रेट से जुड़ी यह टीम का सीजन का पहला उल्लंघन है, इसलिए मॉर्गन पर 12 लाख रुपए का जुमार्ना लगाया गया है।

धोनी-रोहित पर भी लग चुका है जुमार्ना: मॉर्गन इस सीजन में स्लो ओवर रेट के लिए जुमार्ना भरने वाले तीसरे कप्तान हैं। इससे पहले मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा और चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी पर भी 12 लाख रुपए का जुमार्ना लगाया जा चुका है।

90 मिनट में 20 ओवर पूरे करने होते हैं: नियम के मुताबिक, अब हर टीम को 90 मिनट में अपने 20 ओवर पूरे करने होते हैं। इससे पहले नियम था कि 20वां ओवर 90 मिनट में शुरू किया जाए लेकिन अब डेढ़ घंटे के अंदर हर हाल में निर्धारित 20

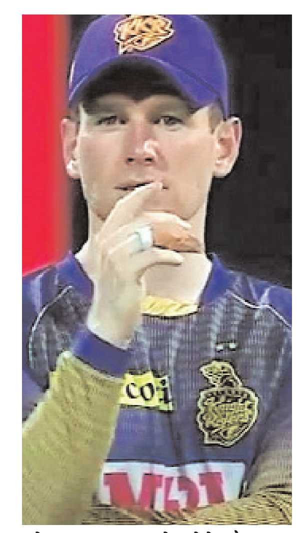

ओवर खत्म करने होते हैं। 90 मिनट में टीमों को ढाई-ढाई मिनट के दो टाइम आउट मिलते हैं। मतलब टीमों को 85 मिनट में कुल 20 ओवर फेंकने होते हैं। इस हिसाब से एक घंटे में हर टीम को 14.11 ओवर फेंकने होते हैं।

अब दोषी पाए गए तो बैन का भी खतरा

मॉर्गन अगर इस सीजन में दूसरी बार ये गलती करेंगे, तो उन पर 24 लाख का जुमार्ना लग सकता है। इसके अलावा उनकी टीम के खिलाड़ियों पर मैच फीस का 25% जुमार्ना लगेगा, जो कि 6 लाख से कम होगा। वहीं, तीसरी पर स्लो ओवर रेट के लिए कप्तान पर एक मैच का बैन और 30 लाख का जुमार्ना लगाए जाने का प्रावधान है।

बुंदेसलीगा : बर्लिन पर जीत के बाद डॉर्टमंड चैंपियंस लीग की रेस में कायम

बर्लिन। जर्मन क्लब बोरूसिया डॉर्टमंड ने बुंदेसलीगा लीग में यूनियन बर्लिन 2-0 से हराकर चैंपियंस लीग में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है। डीपीए की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार रात यहां खेले गए मुकाबले में मार्को रुइस ने 27वें मिनट और राफेल गुइरिनो ने 88वें मिनट में गोल दागे। एक अन्य मुकाबले में वोल्फसबर्ग ने स्टटगार्ट को 3-1 से हरा दिया। वोल्फसबर्ग अब तालिका में तीसरे नंबर पर है। बायर्न म्यूनिख अभी टॉप पर है। वहीं, मैंज भी वेर्डर ब्रेमन को 1-0 से मात देकर हर्था बर्लिन से आगे निकल गया है।

प्रीमियर लीग : मैनचेस्टर सिटी ने एस्टन विला को 2-1 से हराया

एजेंसी ■ लंदन

मैनचेस्टर सिटी ने एक गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए इंग्लिश प्रीमियर (ईपीएल) के मुकाबले में एस्टन विला को 2-1 से हरा दिया। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, इस जीत के बाद अब मैनचेस्टर सिटी को पिछले चार सीजन में तीसरी बार ईपीएल चैंपियन बनने के लिए पांच मैचों में से केवल आठ अंकों की जरूरत है। सिटी के 33 मैचों से 77 अंक हो गए हैं और वह दूसरे नंबर पर काबिज मैनचेस्टर युनाइटेड से 11 अंक आगे है।एस्टन विला ने पहले मिनट में ही जॉन मैक्गिन के गोल की मदद से 1-0 की बढ़त बना ली। लेकिन फिल फोडेन ने 22वें मिनट में गोल करके सिटी को 1-1 की बराबरी दिला दी। इसके बाद 40वें मिनट में रोड्री ने हैडर से गोल करके

मैनचेस्टर सिटी को 2-1 से आगे कर दिया। लेकिन 44वें मिनट में सिटी के स्टोन को रेड कार्ड दिखाया गया और उसे 10 खिलाड़ियों के साथ ही खेलना पड़ा। हालांकि एस्टन विला के केश को भी 57वें मिनट में रेड कार्ड दिखाया गया उसे भी अपने 10 खिलाड़ियों के साथ ही खेलना पड़ा। इसके बावजूद सिटी ने अपनी बढ़त को कायम रखते हुए मुकाबला जीत लिया।

ला लीगा : बेंजमा के 2 गोल से टॉप पर पहुंची रियल मैड्रिड

मैड्रिड। करीम बेंजमा के दो गोलों की मदद से रियल मैड्रिड ने केडिज को 3-0 से हराकर ला लीगा में फिर से टॉप स्थान हासिल कर लिया। डीपीए की रिपोर्ट के अनुसार, इस जीत के बाद रियल मैड्रिड 70 अंकों के साथ टॉप पर पहुंच गया है। दूसरे नंबर पर काबिज एथलेटिको मैड्रिड के भी 70 ही अंक है, लेकिन हेड टू हेड रिकॉर्ड के कारण रियल टॉप पर है। बुधवार रात खेले गए इस मुकाबले में रियल मैड्रिड के लिए 30वें मिनट में पेनाल्टी पर पहला गोल दागा। उनका सीजन का यह 20वां गोल है। इसके बाद अल्वारो ओरियोजोला ने 33वें मिनट में गोल करके रियल मैड्रिड की बढ़त को दोगुना कर दिया। बेंजमा ने फिर 40वें मिनट में अपना दूसरा गोल करके स्कोर 3-0 से रियल मैड्रिड के पक्ष में कर दिया अन्य मुकाबलों में रियल बेटिस और एथलेटिक बिल्बाओ ने गोलरहित ड्रॉ खेला जबकि ओसासुना ने वालेंसिया को 3-1 से मात दी।

वीरेंद्र सहवाग ने किया था खुलासा माही नहीं उठाते थे किसी का फोन

■ नई दिल्ली

महेंद्र सिंह धोनी को भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल कप्तानों में एक माना जाता है। उन्होंने पिछले साल इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था। धोनी को आमतौर पर शांत खिलाड़ी माना जाता है। वे युवराज सिंह और हरभजन सिंह की तरह किसी से ज्यादा मजाक नहीं करते हैं। धोनी खुद को इतना अलग रखते थे कि वे किसी का फोन भी नहीं उठाते थे। इसका खुलासा टीम इंडिया के पूर्व ओपनर वीरेंद्र सहवाग ने एक इंटरव्यू में किया था। सहवाग ने इंटरव्यू में धोनी और राहुल द्रविड़ के बारे में खुलासा किया था। सबसे पहले इसके बारे में वीवीएस लक्ष्मण कहा था।

सहवाग ने उस बात पर मुहर लगाते हुए कहा था, ह्यह्यएक बार ऐसा हुआ कि बीसीसीआई सचिव ने धोनी को फोन किया, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। जब अगली बार सचिव उनसे मिले तो उन्होंने एक विशेष फोन धोनी को दिया और कहा कि जब यह फोन बजेगा तो तुम्हें ये फोन उठाना ही होगा। सहवाग ने उस सचिव का नाम नहीं बताया। सहवाग ने आगे बताया, धोनी कप्तान थे और उन्हें बोर्ड की बैठकों में शामिल होना होता था।

बैडमिंटन

हम तीन दिनों तक कमरे में बंद रहे और वहां से सीधे मैच खेलने के लिए गए।

फिटनेस सुधार लिया तो मेरा स्तर ऊंचा हो जाएगा : प्रणीत

■ नई दिल्ली

भारत के अग्रणी बैडमिंटन खिलाड़ी बी.साई प्रणीत का कहना है कि वह अपने खेल का स्तर ऊंचा उठाने के लिए इन दिनों बड़ी शिद्दत से अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। प्रणीत टोक्यो ओलंपिक में सीधे क्वालीफिकेशन में दावेदारी करने वाले भारत के अकेले बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। टोक्यो की दौड़ में उनका दावा ओलंपिक क्वालीफिकेशन सूची में उनकी रैंकिंग (13) के माध्यम से है। बैंकॉक में साल की शुरूआत परेशानी भरी रही, इसके बाद उन्होंने योनेक्स थाईलैंड ओपन में उन्हें नीची रैंक वाले कांताफॉन वांगचारोएन ने 32-राउंड में बाहर कर दिया। वो कोविड-19 टेस्ट पॉजीटिव आने के बाद टोयोटा थाईलैंड ओपन में भाग नहीं ले सके।

प्रणीत ने ओलंपिक चैनल से कहा, मैंने बिना किसी गलती के अपना तीन सप्ताह का समय बर्बाद कर दिया। मानसिक रूप से यह बहुत भार डालने वाला है। हर टूनार्मेंट में आपको कई बार कोविड टेस्ट करवाना होता है। परिणाम कभी-कभी गलत भी होते हैं।

भारत लौटने के बाद उन्होंने कड़ी मेहनत की और बाद की प्रतियोगिताओं जैसे कि स्विस ओपन और प्रतिष्ठित ऑल इंग्लैंड ओपन पर अपनी निगाहें टिका दीं। उन्होंने बासेल में क्वार्टर फाइनल तक पहुंच कर अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन एक बार फिर ब्रिटेन में ऑल इंग्लैंड ओपन में कोविड की स्थिति के कारण चीजों ने एक खतरनाक मोड़ ले लिया। उन्होंने कहा, हम नहीं जानते थे कि क्या वे हमें अंतिम क्षण तक खेलने की अनुमति देंगे। हम तीन दिनों तक कमरे में बंद रहे और वहां से सीधे मैच खेलने के लिए गए। लेकिन, प्रणीत में जंग खाने

जैसे कोई लक्षण नहीं दिखे। उन्होंने पहले दौर में अपने प्रतिद्वंद्वी को पीछे छोड़ दिया और स्विस खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसेन से ऊपर आ गए।

पहले सेट में उन्होंने दुनिया में नंबर 2 खिलाड़ी को 21-15 से हराया और दूसरे में उन्होंने 5-0 से बढ़त बनाई। हालांकि, भारतीय की थकान ने एक्सेलसेन को वापसी करने का मौका दिया और यहां तक कि वो मैच जीतने में कामयाब रहे। उन्होंने कहा, ऑल इंग्लैंड टूनार्मेंट में मेरे लिए फिटनेस एक परेशानी का विषय था। यदि सब कुछ आसानी से चलता और मैं अच्छी शेप में होता, तो मैं बहुत बेहतर खेल सकता था। हार से सबक लेते हुए प्रणीत ने टोक्यो की यात्रा से पहले अपनी फिटनेस में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित किया है। क्योंकि, उन्हें लगता है कि तकनीकी रूप से उनके और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के बीच ज्यादा अंतर नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे अपने खेल से ज्यादा समस्या नजर नहीं आती, लेकिन मुझे और फिट रहने की जरूरत है। अगर मैं फिट रहता हूं तो बैडमिंटन का स्तर एक-दो पायदान ऊपर चला जाएगा। ऐसा नहीं है कि इससे मैं उन्हें हरा दूंगा। लेकिन, निश्चित रूप से मेरे पास शीर्ष तीन के खिलाफ जीतने के अधिक मौके होंगे। इससे पहले प्रणीत ने अपने करियर में ली चोंग वेई, ली जुनहुई जैसे कुछ बड़े दिग्गजों को हराया था। यदि 28 वर्षीय व्यक्ति रूप से फिट रहते हैं और उनकी रणनीति सही से काम करती है, तो टोक्यो में कार्ड पर कुछ उतार-चढ़ाव हो सकते हैं।

'खतरों के खिलाड़ी 11' में स्टंट करती नजर आएंगी 'टीवी की बहू' दिव्यांका

अब तक आपने दिव्यांका त्रिपाठी को टीवी पर एक आदर्श बहू और वाइफ के रोल में देखा होगा, लेकिन अब दिव्यांका स्टंट करती हुई नजर आएंगी। जी हां, अब दिव्यांका रोहित शेट्टी के शो 'खतरों के खिलाड़ी 11' में नजर आएंगी। हाल ही एक वेबसाइट को दिए इंटरव्यू में दिव्यांका त्रिपाठी ने इच्छा जाहिर की थी वह 'खतरों के खिलाड़ी' का हिस्सा बनना चाहेंगी और अब खबर है कि उन्हें इस स्टंट बेस्ड रियलिटी शो के लिए साइन कर लिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 'खतरों के खिलाड़ी 11' से जुड़े एक सोर्स ने बताया, 'दिव्यांका के साथ शो को लेकर पिछले कुछ वक्त से बात चल रही थी और अब जाकर डील फाइनल हुई है। वह 'खतरों के खिलाड़ी' के 11वें एडिशन में हिस्सा ले रही हैं। यह पहली बार है जब टीवी की बहू दिव्यांका हार्ड कोर स्टंट करते हुए दिखेंगी। बता दें कि दिव्यांका स्लिप डिस्क और स्विमिंग न आने के कारण 'खतरों के खिलाड़ी' में हिस्सा नहीं ले पा रही थीं, पर अब बताया जा रहा है कि वह इन दोनों ही चीजों से उबर चुकी हैं।'खतरों के खिलाड़ी 11' के लिए जिन सिलेब्रिटीज ने हां कही है यानी जिन्हें साइन कर लिया गया है, उनमें राहुल वैद्य, अभिनव शुक्ला, निक्की तंबोली, अर्जुन बिजलानी, सौरभ राज जैन, उर्वशी ढोलकिया और सिंगर आस्था गिल भी नजर आएंगी। शेफाली जरीवाला और एजाज खान का नाम भी इस सीजन के लिए सुनने में आ रहा है। खबर है कि 'खतरों के खिलाड़ी 11' की शूटिंग मई से साउथ अफ्रीका के केप टाउन में होगी। 'स्पॉटबॉय' की एक रिपोर्ट के अनुसार, सभी सिलेब्रिटी कंटेस्टेंट्स शूटिंग के लिए 6 मई को केप टाउन की फ्लाइट पकड़कर रवाना हो जाएंगे। पहले 'खतरों के खिलाड़ी 11' की शूटिंग अबू धाबी में होने की खबरें थीं, पर कोरोना महामारी के कारण सारा प्लान बदल गया। हालांकि अभी भी शो की शूट लोकेशन और तारीख को लेकर कोई ऑफिशल कन्फर्मेशन नहीं आया है।

मई से केप टाउन में शुरू होगी शो की शूटिंग

राधे... का ट्रेलर रिलीज, दमदार एक्शन के साथ लौटे सलमान खान

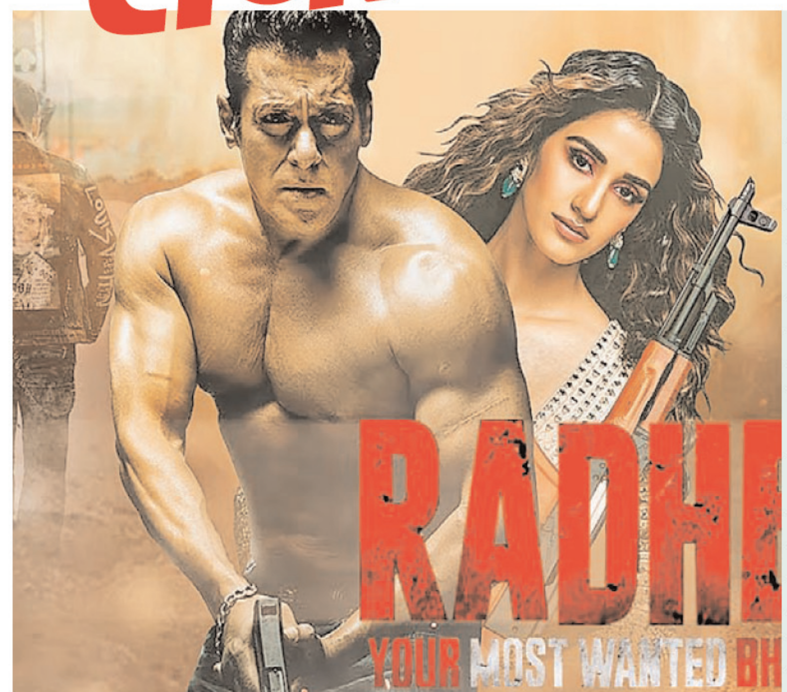

97 एनकाउंटर कर चुके स्पेशल कॉप के किरदार में दिखेंगे एक्टर

सलमान खान स्टारर मोस्ट अवैटेड फिल्म 'राधे : योर मोस्ट वांटेड भाई' का ट्रेलर गुरुवार को रिलीज हुआ। एक्शन से भरपूर इस फिल्म के जरिए सलमान बतौर एक्टर करीब डेढ़ साल बाद पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। उन्हें पिछली बार 'दबंग 3' में देखा गया था, जो 20 दिसंबर 2019 को रिलीज हुई थी। प्रभु देवा के निर्देशन में बनी 'राधे : योर मोस्ट वांटेड भाई' 13 मई को सिनेमाघरों के साथ-साथ साथ-साथ 'पे-पर-व्यू' सिस्टम के तहत जीप्लेक्स पर भी रिलीज होगी। राधे का ट्रेलर देखकर कई मौकों पर वॉन्टेड की याद आती है। सलमान इसमें एक बार फिर वह पुराना डायलॉग दोहराते हैं, एक बार जो मैंने कमिटमेंट कर दी, उसके बाद तो मैं अपने आप की भी नहीं सुनता। सभी के चहेते सुपरस्टार सलमान खान अपने अंदाज में वापस लौट आये हैं और अब अपने दर्शकों को बड़ा तोहफा देने वाले हैं। सलमान खान ने कमिटमेंट किया था कि फिल्म 13 मई 2021 को ईद पर रिलीज होगी और वह अपना वादा पूरा भी करने वाले हैं। इस ट्रेलर में कुछ नयापन सा नहीं दिखता है। पुराने एक्शन और सीन्स दोहराए हुए से दिखते हैं। खैर, फिल्म कैसी होगी ये तो 13 मई को ही मालूम पड़ेगा। बता दें कि फिल्म राधेः योर मोस्ट वॉन्टेड भाई के प्रभु देवा निर्देशित किया है। एक्शन से भरे पूरे ट्रेलर में सलमान को बर्दी के बगैर क्रिमिनल्स को ठिकाने लगाते दिखाया गया है। दिशा पाटनी सलमान की लेडी लव के रोल में दिखेंगी तो वहीं रणदीप हुड्डा इस फिल्म के मुख्य विलेन हैं। जबकि सपोर्टिंग कास्ट गोविंद नामदेव और जैकी श्रॉफ जैसे सितारे हैं। इसके अलावा फिल्म में एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस का एक आइटम सॉन्ग भी है।

'डांस दीवाने 3' में आपस में 'भिड़ीं' नोरा फतेही और भारती सिंह

नोरा फतेही हाल ही 'डांस दीवाने 3' में मेहमान बनकर पहुंचीं। शो में भारती सिंह भी पति हर्ष लिंबाचिया के साथ मौजूद थीं। तभी भारती सिंह और नोरा फतेही स्टेज पर पहुंचीं और वहां दोनों के बीच कुछ कहासुनी हो गई और वो आपस में भिड़ गईं। नोरा फतेही और भारती के बीच बात खींचतान और छीना-झपटी तक पहुंच गई। इससे पहले आप कुछ और सोचें, हम आपको बता दें कि यह सब मजाकिया अंदाज में हुआ। दरअसल नोरा फतेही कंटेस्टेंट पीयूष गुरभेले के साथ स्टेज पर कपल डांस कर रही थीं। तभी भारती भी वहां पहुंच जाती हैं और पीयूष के साथ डांस करने की कोशिश करती हैं। नोरा पीयूष को अपनी और खींच लेती हैं और भारती सिंह को साइड कर देती हैं। इसी पर नोरा फतेही और भारती सिंह के बीच जंग छिड़ जाती है। कलर्स चैनल ने इंस्टाग्राम पर इसका ऑफिशल वीडियो भी शेयर किया है। दोनों पीयूष को अपनी-अपनी और खींचने लगती हैं और स्टेज पर गिर जाती हैं। इस दौरान भी उनके बीच छीना-झपटी खत्म नहीं होती। वहीं जज माधुरी दीक्षित तुषार कालिया और पुनीत पाठक सारा तमाशा देखकर खूब हंसते हैं। वहीं नोरा फतेही ने जज माधुपी दीक्षित के साथ कई गानों पर धमाकेदार परफॉर्मेंस दी और दोनों के बीच एक डांस फेस-ऑफ भी हुआ।

एक्ट्रेस नहीं साइंटिस्ट बनना चाहती थीं दिशा पाटनी

दिशा कम समय में ही सुपरस्टार्स के साथ फिल्मों में काम करने लगी हैं लेकिन एक समय उनका एक्टिंग की दुनिया में जगह बनाने का दूर-दूर तक कोई इरादा नहीं था। दरअसल, उत्तरप्रदेश के बरेली में जन्मीं दिशा पढ़ने में तेज थीं। वे साइंटिस्ट बनने का सपना देखती थीं। लेकिन 2011 में लखनऊ की एमिटी यूनिवर्सिटी में बायोटेक की पढ़ाई के दौरान उन्होंने मॉडलिंग शुरू की। लखनऊ में कॉलेज के दौरान फेयरवेल पार्टी में दिशा को मिस कॉलेज चुना गया। इसके बाद उन्होंने मिस लखनऊ कॉम्पिटीशन में पार्टिसिपेट किया। मिस लखनऊ बनने के बाद दिशा पैंटालून मॉडल में फर्स्ट रनरअप रहीं। 2013 में उन्होंने फेमिना मिस इंदौर कॉन्टेस्ट में पार्टिसिपेट किया। इसमें वे फर्स्ट रनर अप रहीं।

एक्ट्रेस नहीं साइंटिस्ट बनने का सपना देखने वाली दिशा मॉडलिंग में आगे बढ़ती गईं तो उन्हें ऐड में भी काम मिलने लगा। 17 साल की उम्र में उन्होंने पहला फोटोशूट कराया था जिसमें वह काफी अलग नजर आईं थीं। 2015 में दिशा कैडबरी डेयरी मिल्क के एक ऐड में नजर आईं। इसी साल उन्होंने एक मोबाइल कंपनी के ऐड में भी काम किया। इसी के बाद तेलुगु फिल्मों के डायरेक्टर पुरी जगन्नाथ ने उन्हें मूवी 'लोफर' के लिए कास्ट किया। यहीं से दिशा की फिल्मों में एंट्री हुई। दिशा ने हिंदी फिल्मों में डेब्यू 2016 में आई 'एमएस धोनी : द अनटोल्ड स्टोरी' से किया। दिशा पाटनी अक्सर ब्वॉयफ्रेंड टाइगर श्रॉफ के साथ मूवी या लंच-डिनर डेट पर स्पॉट होती रहती है। करियर के शुरूआती दौर से दोनों अपने रिलेशनशिप को लेकर ओपन हैं। एक इंटरव्यू में टाइगर श्रॉफ के पिता जैकी श्रॉफ ने दोनों की जोड़ी के लिए कहा था क्या पता आगे चलकर दोनों शादी कर लें? यह दोनों फिल्म 'बागी 2' में साथ नजर आ चुके हैं।

कोविड से 'रहना है तेरे दिल में' के सिनेमैटोग्राफर जॉनी लाल का निधन

लॉकडाउन से पहले तक कर रहे थे शूटिंग

हिंदी सिनेमा से हाल ही में एक बुरी खबर सामने आई है। सिनेमा के मशहूर सिनेमैटोग्राफ जॉनी लाल का निधन हो गया है। उनका निधन बीते बुधवार मुंबई स्थित घर में हुआ है। उनके निधन की खबर से बॉलीवुड में शोक की लहर है। बताया जा रहा है कि जॉनी लाल कोरोना वायरस का शिकार हो गए थे और घर पर ही होम क्वारंटीन होकर वो अपना इलाज करवा रहे थे। लेकिन वो इस वायरस से जिंदगी की जंग न जीत सके और बुधवार को घर पर ही दम तोड़ दिया। जॉनी लाल के निधन की खबर आर माधवन ने अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर दी है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा, 'त्रासदियों की गाथा फिलहाल जारी है, हमने एक अद्भुत व्यक्ति को खो दिया है। जो रहना है तेरे दिल में डीओपी थे। आपकी आत्मा को शांति मिले जॉनी लाल सर। आपकी विनम्रता, दयालुता और प्रतिभा हम सबको बहुत याद आएगी। आपने इतनी खूबसूरती से रहना है तेरे दिल में काम किया, जो हमारे मन में बस गया है। आपको स्वर्ग में जगह मिले। मन उदास और दुखी है। बता दें, जॉनी लाल ने आर माधवन स्टारर फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' और तुषार कपूर स्टारर फिल्म 'मुझे कुछ कहना है' जैसी फिल्मों के लिए सिनेमाटोग्राफी की थी।

'बंगलिनिया' में दिखी खेसारी और पाखी हेगड़े की रोमांटिक केमेस्ट्री

भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार एक्टर और सिंगर खेसारी लाल यादव और एक्ट्रेस पाखी हेगड़े का नया म्यूजिक वीडियो हाल ही में लॉन्च हुआ है। खेसारी के इस गाने का नाम 'बंगलिनिया' है। इस म्यूजिक वीडियो को यू-ट्यूब पर काफी पसंद किया जा रहा है। लॉन्च होने के बाद से ये यूट्यूब समेत कई म्यूजिक प्लेटफॉर्म पर सुना जा रहा है और काफी हिट हो रहा है। 'बंगलिनिया' गाने में खेसारी लाल यादव और पाखी हेगड़े ने परफॉर्म किया है। इसका वीडियो और पिक्चराइजेशन बेहद कमाल का है। गाने में खेसारी लाल यादव और पाखी हेगड़े बेहतरीन डांसिंग मूव्स दिखा रहे हैं। दोनों की रोमांटिक केमेस्ट्री देखने को मिल रही है. खेसारी लाल डैशिंग दिख रहे हैं, तो वहीं पाखी हेगड़े का भी ग्लैमरस और खूबसूरत अंदाज देखने को मिल रहा है। पाखी हेगड़े ने कई सालों बाद भोजपुरी इंडस्ट्री में कमबैक किया है। इस गाने में उन्होंने अपने डांसिंग मूव्स और परफॉर्मेंस से साबित कर दिया है कि वह किसी अन्य पॉपुलर एक्ट्रेस से आज भी कम नहीं है। इसमें वह काफी बोल्ड और खूबसूरत भी नजर आ रही हैं। 'बंगलिनिया' सॉन्ग को खुद खेसारी लाल यादव ने गाया है और गाने में उनका साथ अंतरा सिंह प्रियंका ने दिया है।

संक्षेप में...

संपूर्ण टीकाकरण में 8-9 साल लगेंगेः तेजस्वी यादव

पटना। केंद्र सरकार ने 1 मई से 18 साल से ऊपर के सभी लोगों को कोरोना की वैक्सीन दिए जाने की घोषणा कर दी है। इस बीच, बिहार में अब टीकाकरण को लेकर सियासत प्रारंभ हो गई है। भाजपा के नेता सुशील मोदी ने बुधवार को मुफ्त टीका देने की सलाह दी तो कुछ ही घंटों के बाद बिहार सरकार ने मुफ्त टीका देने की घोषणा कर दी। इस बीच, राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने इसकी योजना पूछते हुए कहा कि बिहार में सम्पूर्ण टीकाकरण करने में 8-9 साल लग जाएंगे। इधर, विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने सरकार से योजना के बारे में पूछा है। उन्होंने मुफ्त टीकाकरण के लिए सरकार को शुक्रिया कहते हुए कहा कि विपक्ष की वजह से ही सही लेकिन देर आए दुरुस्त आए। उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा, सर्वविदित है आपकी कथनी और करनी में हमेशा भारी फर्क रहा है। जानना चाहता हूं कि लगभग 10 करोड़ आबादी के टीकाकरण का आपके पास क्या समग्र प्लान है? या फिर 19 लाख नौकरी-रोजगार की तरह इसे भी कोरी 'घोषणा' मात्र ही समझा जाए? उन्होंने कहा कि अबतक राज्य में 4 महीनों में मात्र 4 प्रतिशत लोगों को टीका दिया गया है। इस गति से अगर टीकाकरण अभियान चलता रहा तो सम्पूर्ण टीकाकरण करने में 8-9 साल लग जाएंगे।

सीबीएसई ने स्कूलों से मांगे प्रोजेक्ट, असाइनमेंट रिपोर्ट

प्रयागराज। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 10वीं की बोर्ड परीक्षा निरस्त करने के बाद अब बच्चों के रिजल्ट की तैयारी शुरू कर दी है। सीबीएसई की ओर से स्कूलों को एक तय फार्मेट में बच्चों की पूरे वर्ष की परफार्मेंस रिपोर्ट देने को कहा गया है। इसमें प्रोजेक्ट वर्क, असाइनमेंट आदि की जानकारी मांगी गई है। स्कूल इसी के आधार पर रिजल्ट तैयार करेंगे। कोरोना के बढ़ते मामलों की वजह से केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 10वीं की बोर्ड परीक्षा निरस्त कर दी थी। इसके बाद सीबीएसई की ओर से इंटरनल असेसमेंट, प्रोजेक्ट असाइनमेंट के आधार पर मूल्यांकन की तैयारी शुरू कर दी गई थी। अब बोर्ड की ओर से स्कूलों को पत्र के साथ फार्मेट भेजकर बच्चों की वार्षिक रिपोर्ट मांगी गई है। सीबीएसई ने स्कूलों से 15 बिंदुओं पर जानकारी मांगी है। स्कूलों से साप्ताहिक टेस्ट के साथ टर्म परीक्षा में शामिल छात्रों की जानकारी के साथ उसमें मिले अंकों का विवरण मांगा गया है। शैक्षिक सत्र 2020-21 में पूरे वर्ष ऑनलाइन कक्षाओं के जरिये छात्रों की पढ़ाई हुई। सत्र के अंत में सरकार के आदेश पर दसवीं एवं बारहवीं के बच्चों को स्कूल बुलाया गया। इस अवधि में छात्रों के प्रोजेक्ट, असाइनमेंट आदि पूरे करने के साथ बच्चों के इंटरनल असेसमेंट भी किए गए। स्कूलों की ओर से बच्चों की प्री-बोर्ड परीक्षाएं भी पूरी कराई गईं। अब बच्चों के रिजल्ट तैयार करने में ये अंक महत्वपूर्ण साबित होंगे।

मास्क ना पहनने पर डॉक्टर पर लगा 10 हजार का जुर्माना

झांसी। अस्पताल में मरीज को देखते समय मास्क ना लगाने पर डॉक्टर पर जुमार्ना लगाया। कोतवाली पुलिस ने पुराने शहर में एक डॉक्टर का 10,000 रुपये का चालान काट दिया है, डॉक्टर बिना मास्क पहने मरीजों का इलाज कर रहा थे। खबरों के अनुसार, पुलिस की एक टीम पुराने शहर के नरिया बाजार में मंगलवार शाम एक रूटीन चेकिंग पर थी, जहां उन्होंने एक डॉक्टर को एक छोटे से केबिन में कई मरीजों के साथ बैठा पाया। क्लीनिक छोटा था और मरीज बिना मास्क पहने ही बैठे थे। एसओ कोतवाली देवेश कुमार शुक्ला ने डॉक्टर पर अधिकतम 10,000 रुपये का जुमार्ना लगाया। एसओ ने कहा, इससे पहले भी मैंने डॉक्टर को मास्क न पहनने के लिए चेतावनी दी थी, लेकिन उन्होंने बात नहीं मानी।

दो घंटे तक रुका आवागमन, सीएम योगी ने किया दो लाख रुपए की मदद का ऐलान

ट्रेन ने ट्रक समेत 4 गाड़ियों को मारी टक्कर, 5 की मौत

■ शाहजहांपुर

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में गुरुवार सुबह हुलासनगर रेलवे क्रॉसिंग पर एक बड़ा हादसा हो गया। चंडीगढ़-लखनऊ एक्सप्रेस ट्रेन ने क्रॉसिंग पार कर रहे ट्रक, डीसीएम और दो बाइक को टक्कर मार दी। जबकि शौच करने जा रहा एक ग्रामीण भी चपेट में आ गया। हादसे में डीसीएम ट्रेन के इंजन में फंस गया, जिससे ट्रेन 500 मीटर दूर जाकर डिरेल हो गई। इस हादसे में बाइक सवार पति-पत्नी, उनके डेढ़ साल के बच्चे समेत पांच लोगों की जान चली गई, जबकि दो लोग घायल हैं। ट्रेन के सभी यात्री सुरक्षित हैं। डिरेल इंजन को पटरी पर लाने का काम जारी है। हादसे की सूचना पाकर पुलिस बल मौके पर पहुंचे हैं। पुलिस ने शवों की शिनाख्त कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। राहत-बचाव का काम जारी है। शुरूआती जांच में गेटमैन की लापरवाही सामने आई है। उधर,

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर दुख जाहिर किया है। उन्होंने अफसरों को घायलों के समुचित इलाज का निर्देश दिया है। साथ ही मृतकों के आश्रितों को दो लाख रुपए आर्थिक मदद का ऐलान किया है।

गेटमैन ने क्रॉसिंग बंद करने में देरी की, लोग भी नहीं माने

बताया यह जा रहा है कि चंडीगढ़-लखनऊ एक्सप्रेस ट्रेन के आने का सिग्नल मिला था। गेटमैन क्रॉसिंग बंद करने लगा था। गेटमैन ने ट्रेन को आता देख ट्रैक पर खड़े लोगों को हटने को भी कहा। लेकिन लोग नहीं माने। इतने में ट्रेन आ गई। जब तक लोग ट्रैक से हटते तब तक ट्रेन ने ट्रक, डीसीएमऔर एक बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक के परखच्चे उड़ गए। वाहनों से टकराकर ट्रेन करीब 500 मीटर दूर पर जाकर डिरेल हो गई। हादसे में थाना तिलहर क्षेत्र के मोहल्ला उम्मरपुर गांव निवासी सिदाकत, उनकी पत्नी गुलिस्ता और डेढ़ साल की बेटी हमजा की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। हुलासनगला गांव निवासी प्रेमपाल शौच करने के लिए रेलवे क्रासिंग पार कर रहा था। वह भी ट्रेन की चपेट में आ गया। वहीं, डीसीएम और ट्रक के ड्राइवर गंभीर रुप से घायल हुए। दोनों को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से दोनों को बरेली रेफर कर दिया गया है। जहां ट्रक ड्राइवर पंजाब के रहने वाले सतेंद्र की मौत हो गई। डीसीएम ड्राइवर की भी हालत नाजुक है। हादसे की खबर सुनते ही मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। सूचना मिलते ही डीएम इंद्र विक्रम सिंह, एसपी एस आनन्द और पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने पांचों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के पीछे के कारणों और लापरवाही की जांच करने के लिए रेलवे प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे हैं। पुलिस ने घटना के संबंध में लोको पायलट, सहायक लोको पायलट और गार्ड के बयान दर्ज किए हैं।

आंधी-तूफान से पांच लोगों की मौत, मदद का ऐलान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बुधवार देर रात आई तेज आंधी और बूंदाबांदी के कारण हुई घटनाओं में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन घटनाओं का संज्ञान लेते हुए मृतकों के परिजन को चार-चार लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की है। राज्य सरकार के प्रवक्ता के मुताबिक बुधवार प्रदेश में देर रात तेज आंधी-तूफान के कारण पेड़ गिरने तथा अन्य घटनाओं में पांच लोगों की मौत हो गई। इनमें अयोध्या में दो, लखीमपुर खीरी, गोंडा तथा फिरोजाबाद में एक-एक व्यक्ति की मौत की सूचना है। प्रवक्ता के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मामलों पर संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारियों को आंधी-तूफान और बारिश से प्रभावित लोगों को तत्काल राहत पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इस आपदा में दिवंगत हुए लोगों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की सहायता राशि तत्काल वितरित किए जाने के निर्देश भी दिए हैं। योगी ने कहा कि सम्बन्धित जिलाधिकारी नुकसान का आकलन करते हुए प्रभावितों को अविलम्ब मुआवजा प्रदान करें। उन्होंने कहा है कि राहत कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जायगी। इस बीच मौसम केंद्र के रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश में कुछ स्थानों पर आंधी-तूफान और हल्की बूंदाबांदी हुई।

शनिवार को यूपी पहुंचेगी पहली ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेन

रेल मंत्री पीयूष गोयल ने ट्वीट कर दी जानकारी

■ लखनऊ

कोरोना महामारी के लिए संजीवनी बनी ऑक्सीजन की कमी को लेकर पूरे देश में हाहाकार मचा हुआ है। वहीं इन सबके बीच उत्तर प्रदेश के उन लोगों के लिए खुशखबरी है जिनके अपने परिजन किसी न किसी अस्पताल में हैं या कोरोना पीड़ित है। गुरुवार को रेल मंत्री पीयूष गोयल ने ट्वीट कर जानकारी दी कि उत्तर प्रदेश के लिए बोकारो से जल्दी ही ऑक्सीजन एक्सप्रेस चलेगी। साथ ही कहा कि मध्य प्रदेश के लिए भी जल्दी ही इसी तरह की व्यवस्था की जा रही है रेलवे से मिली जानकारी के मुताबिक लखनऊ से ऑक्सीजन एक्सप्रेस बुधवार रात को ही बोकारो के लिए रवाना हो चुकी है। रेल मंत्रालय के सीपीआर आरडी बाजपेयी बताते हैं कि इस ट्रेन को निर्वाध गति से चलाने की व्यवस्था की गई है, जो रास्ते में बिना रुके अपने गंतव्य तक पहुंच सके। बोकारो पहुंचने के बाद 15 से 16 घंटे का वक्त टैंकर्स को रिफिल करने में लगेगा। टैंकर्स भरते ही ये ट्रेन रवाना हो जाएगी और जल्दी ही यूपी पहुंच जाएगी। वहां सरकार के निर्देश के मुताबिक उसमें से कंटेनर्स को अलग-अलग शहरों में उतारा जाएगा।

बिहार के 20 जिलों में तूफान और बारिश का अलर्ट

पटना। मौसम विभाग ने बिहार में एक और आफत के लिए अलर्ट जारी किया है। आने वाले कुछ घंटे बिहार के 20 जिलों के लिए भारी पड़ सकते हैं। मौसम विभाग ने इन जिलों में तूफान और बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। साथ ही गरज-चमक के साथ बिजली भी गिर सकती है। यह अलर्ट आज दोपहर तक के लिए है। ऐसे में अलर्ट वाले जिलों में लोगों को ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है। मौसम विभाग के पूर्वनुमान के अनुसार मुजफ्फरपुर, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, दरभंगा, सुपौल, सहरसा, मधेपुरा, पटना, मधुबनी, वैशाली, समस्तीपुर, सीतामढ़ी, शिवहर, सारण, गोपालगंज और सीवान शामिल है। इन इलाकों में बारिश और तूफान का खतरा है। मौसम विभाग ने एहतियात के दौरान पर इन इलाकों में सावधानी के लिए अलर्ट जारी किया है। बताया जा रहा है कि पश्चिम चंपारण जिले के बेतिया में अहले सुबह गरज-चमक के साथ बारिश हुई है।

बिहार में बाहर से आ रहे लोग बने चुनौती

अनुमंडल में क्वारंटीन सेंटर बनाने की कवायद शुरू

पटना। कोरोना की दूसरी लहर में संक्रमितों की बढ़ती संख्या और विभिन्न प्रदेशों में सरकार द्वारा उठाए गए एहतियाती कदमों के बाद राज्यों में रह रहे बिहार के लोगों के वापस लौटने का सिलसिला जारी है। बाहर से आ रहे लोग बिहार सरकार के लिए चुनौती बन रहे हैं। हालांकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ऐसे आने वाले लोगों से जल्द बिहार वापस लौटने की अपील की है। इधर, आपदा प्रबंधन विभाग अब राज्य के 101 अनुमंडलों में क्वारंटीन सेंटर बनाने की कवायद प्रारंभ कर दी है। इन सेंटरों में आने वाले लोगों को रखा जाएगा। इस सेंटरों में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो इसका विशेष ख्याल रखा जाएगा। सभी सेंटरों में पानी और शौचालय की उचित व्यवस्था पर खास

जोर दिया गया है। आपदा प्रबंधन विभाग के सूत्रों का कहना है कि बिहार के लोग देश के करीब सभी शहरों में हैं, जिनके इस दौर में लौटने की संभावना है। सरकार इसी के मद्देनजर कवायद प्रारंभ कर दी है। आपदा प्रबंधन विभाग का कहना है कि अगर अनुमंडल में बने क्वारंटीन सेंटर में जगह की कमी होगी, तब वहां नजदीकी क्षेत्र के पंचायत भवनों में क्वारंटीन कैंप बनाए जाएंगे, जहां 14 दिन तक आने वाले लोगों को रखा जाएगा।

सोमनाथ से रोजाना 15 घंटे दौड़ लगाते हुए 24वें दिन अयोध्या पहुंचा रामभक्त

अयोध्या। गुजरात के रहने वाले धावक घनश्याम सुदाणी हर दिन 15 घंटे की दौड़ लगाते हुए गुरुवार को अयोध्या पहुंचे। उन्होंने 30 मार्च को सोमनाथ में भगवान शंकर के दर्शन के पश्चात अयोध्या के लिए दौड़ लगाना प्रारंभ किया था। वे 24वें दिन आज दोपहर अयोध्या कारसेवक पुरम पहुंचे। जहां वे श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय और सदस्य डॉ. अनिल मिश्र से मिलकर अपनी यात्रा के अनुभवों को शेयर किया। बता दें कि घनश्याम अहमदाबाद में लगातार 72 घंटे तक दौड़कर यूनाइटेड किंग्डम की वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्डस में अपना नाम दर्ज करवा चुके हैं।

पटना की निचली अदालतें 1 मई तक बंद

पटना। राजधानी पटना में वैश्विक महामारी कोविड-19 के तेजी से बढ़ रहे संक्रमण तथा महामारी के चेन को तोड़ने व सुरक्षा के मद्देनजर पटना न्यायमंडल की सभी अदालतों में 1 मई तक के लिए सभी न्यायिक कार्यों को बंद कर दिया गया है। इन अदालतों में रिमांड के अलावा कोई कार्य नहीं किया जाएगा। सभी न्यायिक पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने आवास पर ही रहकर कोरोना गाइडलाइन का पालन करें। सभी न्यायिक पदाधिकारियों को बिना अनुमति के हेडक्वार्टर न छोड़ने का निर्देश दिया गया है।

साथ ही न्यायालय के कर्मियों को भी निर्देश दिया गया है कि वे कोरोना के सभी गाइडलाइन का पालन करते हुए अपने-अपने मोबाइल फोन से संबंधित न्यायिक पदाधिकारियों से संपर्क बनाए रखें। इस आशय का एक पत्र पटना जिला जज के प्रभारी सत्येंद्र पांडेय द्वारा पटना हाईकोर्ट तथा पटना जिला अधिवक्ता संघ द्वारा गुरुवार को पारित प्रस्ताव के आलोक में निर्गत किया गया है। पटना न्यायमंडल के सभी न्यायालयों में कोरोना की बीमारी बड़े पैमाने पर फैल चुकी है। इसके कारण दर्जनों न्यायिक पदाधिकारी, अधिवक्ता व कर्मचारी इसकी चपेट में आ चुके हैं।

पॉजिटिव महिला के शव को सड़क पर उतारकर एंबुलेंस लेकर भागा ड्राइवर

■ जहानाबाद

बिहार में इंसानियत पर कोरोना महामारी भारी पड़ रही है। दरअसल जहानाबाद जिले में राजा बाजार रेलवे अंडरपास एक्सिस बैंक के समीप उस वक्त अफरा - तफरी मच गई जब एक एंबुलेंस कर्मी कोरोना संक्रमित 75 वर्षीया एक वृद्ध महिला के शव को सड़क पर छोड़ कर भाग गया। तहकीकात के क्रम में पुलिस को पता चला कि मृत महिला इंदु देवी घोसी थाना के भारथू गांव के निवासी दिनेश शर्मा की पत्नी थी, जो कोरोना से संक्रमित थीं और उन्हें पटना रेफर किया गया था।

नगर थाने के अपर थानाध्यक्ष विनय कुमार सिंह ने सशस्त्र बलों के साथ जब मामले की तहकीकात की तो उन्हें यह पता चला कि उक्त महिला कोरोना से संक्रमित थीं। बाद में सूचना पाकर महिला के परिजन जहानाबाद पहुंचे और कोविड के प्रावधान के तहत उनके शव को परिजन को दाह- संस्कार के लिए सौंपा गया।

इस घटना के संबंध में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार भारथू निवासी वृद्ध महिला इंदु देवी की तबीयत पहले से ही खराब थी। वह कुछ दिनों से बीमार थीं। बुधवार को वह अपनी बेटी अर्चना शर्मा के साथ इलाज कराने के लिए जहानाबाद सदर अस्पताल में आई थीं, जहां उनकी कोरोना की जांच की गई जिसमें रिपोर्ट पॉजिटिव आयी।

बताया जाता है कि उक्त महिला को हांफने की भी शिकायत थी। सांसे तेज चल रही थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सदर अस्पताल से डॉक्टर ने उन्हें पटना रेफर किया था। खबर के अनुसार एम्बुलेंस से उन्हें पटना ले जाया जा रहा था। इसी दौरान अचानक उनका निधन हो गया। जब इसकी भनक एंबुलेंस के ड्राइवर को लगी तब वह एक्सिस बैंक राजा बाजार अंडरपास के समीप बीच सड़क पर महिला के शव और उनकी बेटी को उतारकर फरार हो गया।

सड़क पर एक वृद्ध महिला का शव देखकर अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। लोग शव के नजदीक जाने से डर रहे थे। इसकी सूचना नगर थाने की पुलिस को दी गई। पहले वहां पेट्रोलिंग पार्टी पहुंची।

फिरोजाबाद के बेहड़ में अवैध फैक्ट्री का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में होने जा रहे त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव से पहले अवैध असलाह बनाने की फैक्ट्री का पुलिस ने भंडाफोड़ कर दिया। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जबकि उसके दो साथी भागने में सफल हो गए। मौके से भारी मात्रा में अवैध बने और अधबने असलाह बरामद हुए हैं। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार, फिरोजाबाद के थाना टूण्डला क्षेत्र के गांव अनवारा के बीहड़ों में कई महीनों से चल रही अवैध असलाह फैक्ट्री पर मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने बीती रात छापामार कार्यवाही की। पुलिस ने मौके से दो दर्जन बने व अधबने अवैध तमंचे रायफल के साथ बड़ी मात्रा में असलाह बनाने के उपकरण सहित एक आरोपी मोहन उर्फ पप्पू पुत्र श्यामलाल उर्फ बिच्छई लाल निवासी घुरकुआ को गिरफ्तार किया है। कार्रवाही के दौरान दो आरोपी वीरभान और नितिन मौके से फरार हो गए। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में बिक्री के लिए असलाह बनाये जा रहे थे।

निर्देश — उत्तर प्रदेश मे ऑक्सीजन के लिए नई गाइडलाइन, मरीजों का आंकड़ा 2.50 लाख के करीब

अब कोई निजी तौर पर ऑक्सीजन सिलेंडर नहीं मंगवा सकेगा

■ लखनऊ/अलीगढ

उत्तर प्रदेश में ऑक्सीजन की किल्लत को देखते हुए राज्य सरकार ने नई गाइडलाइन जारी कर दी है। इसमें कहा गया है कि बहुत गंभीर स्थिति को छोड़कर किसी को भी निजी तौर पर ऑक्सीजन की सप्लाई नहीं की जाएगी। यह सिर्फ संस्था को ही दी जाएगी। गंभीर स्थिति में निजी तौर ऑक्सीजन देना भी पड़े तो संबंधित व्यक्ति से डॉक्टर का प्रिस्क्रिप्शन और आधार कार्ड लेकर डिटेल नोट करना होगी। इसके अलावा ऑक्सीजन रीफिलिंग सेंटर पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करने का भी निर्देश दिया गया है।

कोरोना की दूसरी लहर उत्तर प्रदेश पर भारी पड़ रही है। अभी 2.42 लाख से ज्यादा ऐसे मरीज हैं, जिनका इलाज चल रहा है। बीते 24 घंटे में रिकॉर्ड 33,106 संक्रमित मिले और 187 की मौत हुई। इसके बाद मौत का आंकड़ा 10 हजार को पार कर गया है। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा और उनकी पत्नी भी संक्रमित हो गई हैं।

कोरोना के खिलाफ लड़ाई में यूपी कर रहा बेहतर प्रदर्शनः योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कोविड-19 प्रबंधन के लिए गठित टीम-11 को अहम दिशा-निर्देश दिए. सीएम ने कहा कि कोविड-19 के खिलाफ जारी इस लड़ाई में उत्तर प्रदेश लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। कोरोना संक्रमण से मुक्त होकर स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या हर दिन बढ़ती जा रही है। बीते 24 घंटों में प्रदेश में 16,500 से अधिक लोगों ने कोरोना को हराकर आरोग्यता प्राप्त की है। यह अत्यंत सुखद है। प्रदेशवासी धैर्य और संयम बनाये रखें। प्रदेश में उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं हों अथवा जीवनरक्षक दवाओं की उपलब्धता, किसी भी चीज का अभाव नहीं है। सीएम ने कहा कि कुछ जिलों से ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की आवश्यकता जताई गई है। स्वास्थ्य विभाग आज ही संबंधित जिलों को ऑक्सीजन कंसंट्रेटर उपलब्ध कराए। उपलब्धता बढ़ाने के लिए भारत सरकार से भी सहयोग लिया जा सकता है। सीएम ने कहा कि एक भी नागरिक की मृत्यु दुःखद है, यह प्रदेश की क्षति है।

मरीजों को भर्ती करने में आनाकानी करने वाले अस्पतालों पर हो कार्रवाईः शर्माः उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री व प्रभारी मंत्री मेरठ श्रीकान्त शर्मा ने गुरुवार को मेरठ में कोविड 19 के संक्रमण से निपटने की तैयारियों की संबंधित विभागों के साथ वर्चुअल समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने डीएम को सभी विभागों के समन्वय से सफाई, दवाई और कड़ाई से जुड़े नियमों का गंभीरता से अनुपालन कराने के निर्देश दिए।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि डीएम सुनिश्चित करें कि लक्षणों के बाद भी मरीजों को भर्ती करने में कोई भी अस्पताल आनाकानी न करें। भर्ती के लिए आरटीपीसीआर के अलावा सीटी स्कैन, एक्सरे व एंटीजेन टेस्ट को भी आधार मानें। कोरोना के मरीजों के अलावा बाकी मरीजों के लिए स्वास्थ्य विभाग टेलीमेडिसिन की भी व्यवस्था करे। यदि कोई अस्पताल मरीज को भर्ती करने में आनाकानी करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

रेलवे कर्मचारियों पर भी मंडराया कोरोना का खतरा

पटना। कोरोना वायरस की वजह से ट्रेनों की स्पीड पर ब्रेक लग सकता है। कोरोना की दूसरी लहर में रेलवे के ज्यादातर वे अधिकारी और कर्मचारी पॉजिटिव होते जा रहे हैं, जो ट्रेनों के संचालन से सीधे जुड़े हैं और जो फ्रंटलाइन पर आकर काम कर रहे हैं। ट्रेन ऑपरेशन में ड्राइवर, गार्ड और स्टेशन मास्टर, इन तीनों का रोल अहम है। लेकिन, ये लोग कोरोना की चपेट में आते जा रहे हैं। कोरोना की दूसरी लहर में अब तक ईस्ट सेंट्रल रेलवे के हाजीपुर मुख्यालय से लेकर सभी 5 रेल डिवीजनों में अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों तक कुल 2,251 लोग कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं।

लॉकडाउन के बावजूद निर्धारित केंद्रों में आज होगा टीकाकरण

आधार कार्ड लेकर निकटतम केंद्र पर पहुंच लगवाएं टीका

■ झाँसी।

वीकेंड लॉकडाउन के बावजूद निर्धारित केंद्रों पर शनिवार को टीकाकरण सत्र आयोजित किया जाएगा। जबकि रविवार को टीकाकरण नहीं होगा। 45 साल के ऊपर सभी पात्र लोग निकटतम केंद्र पर आधार कार्ड या अन्य कोई आईडी प्रूफ के साथ अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर के टीकाकरण कराएं।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ जी के निगम ने बताया कि प्रदेश सरकार ने वीकेंड लॉकडाउन घोषित किया है। इसके तहत शनिवार और रविवार को लॉक डाउन रहेगा। उन्होंने बताया कि लॉकडाउन के बावजूद निर्धारित केंद्रों पर शनिवार को टीकाकरण सत्र आयोजित किया जाएगा। 45 साल से ऊपर वाले सभी पात्र व्यक्ति आधार कार्ड लेकर निकटतम टीकाकरण केंद्र में पहुंचकर के अधिक से अधिक संख्या में टीके लगवा करके कोविड-19 से अपने को सुरक्षित करें। उन्होंने कहा कि लाकडाउन होने के बावजूद आधार कार्ड लेकर के लोग निकले, इस दौरान कोई दिक्कत होने पर अपना आईडी प्रूफ दिखाते हुए बताएं कि वह अमुक टीकाकरण केंद्र, टीका लगवाने के लिए जा रहे हैं। ऐसे में संबंधित जिम्मेदार उन्हें टीकाकरण केंद्र जाने से नहीं रोकेंगे। उन्होंने बताया कि 45 साल से ऊपर सभी लोगों का टीकाकरण किया जा रहा है। कोविड-19 की दूसरी लहर बहुत ही खतरनाक है। इसकी वजह से कोरोना संक्रमण बहुत तेजी से फैल रहा है। ऐसे हालात में पात्र लोगों के लिए कोविड-19 टीकाकरण बहुत ही आवश्यक हो गया है।

यहाँ होगा टीकाकरण

जिला महिला और पुरुष अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सभी शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र।

लक्षण हैं तो जांच कराएं

सीएमओ ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को खांसी, बुखार, सदी या सांस लेने में दिक्कत हो रही है तो कोरोना की जांच अवश्य कराएं। उन्होंने कहा कि घर से बाहर निकलने पर मास्क का प्रयोग अवश्य करें। बाहर रहते वक्त सामाजिक दूरी बनाए रखें।

कोर कमेटी की बैठक में कोविड परिणामों पर चर्चा हुई

■ ललितपुर।

जिलाधिकारी अन्नावि दिनेशकुमार की अध्यक्षता में कोविड-19 कोर कमेटी की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई।बैठक में सर्वप्रथम विगत 24 घंटे के कोविड परिणामों पर चर्चा हुई, जिसमें बताया गया कि आज 1495 टेस्ट किये गए हैं। विगत 24 घण्टे में जनपद में कुल 396 धनात्मक मरीज पाये गए हैं, साथ ही 114 मरीजों को डिस्चार्ज किया गया है। जनपद में वतर्मान में कुल डिस्चार्ज मरीजों की संख्या 4397 तथा कुल 2470 एक्टिव केस हैं। जनपद में अब तक कुल 409868 सैम्पल लिए गए हैं, जिनमे से 1442 रिजेक्ट हुए हैं। अब तक कुल 405377 रिपोर्ट प्राप्त हुईं, जिनमे 398737 ऋणात्मक, 6640 धनात्मक, 284 जनपद के बाहर की लैब से प्राप्त, कुल धनात्मक मरीज 6924, जनपद में 57 मृतक तथा 3049 परिणाम लंबित हैं। जनपद में मरीजों का रिकवरी रेट 63.50 सीएफआर 0.83 तथा धनात्मकता रेट 1.68 प्रतिशत है। मरीजों का कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग अनुपात 1:26.30 है। बैठक के दौरान सघन जांचों की समीक्षा के दौरान ट्रू-नेट मशीन के खराब होने की बात बताई गई, जिस पर जिलाधिकारी द्वारा मशीन को तत्काल दुरुस्त कराने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने यह भी बताया कि शासन द्वारा कोरोना कर्फ्यू की घोषणा की गई है जो प्रत्येक शुक्रवार को रात्रि 8रू00 बजे से प्रारंभ होकर सोमवार को प्रातः 7:00 बजे तक लागू रहेगा। इसका उल्लंघन करने वालों पर सख्त कारर्वाई की जाएगी।उन्होंने यह भी बताया कि विभिन्न माध्यमों से शिकायतें प्राप्त हो रही है कि मेडिकल स्टोर्स व फार्मेसी के लोग आवश्यक दवाओं को निर्धारित मूल्य से अधिक मूल्य पर बेच रहे हैं, उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि ऐसे मेडिकल स्टोर्स व फार्मेन्सी को चिन्हित कर तत्काल सील करने की कारर्वाई करें, साथ ही इन पर छै। भी लगाएं, इसके साथ ही कोविड-19 के इलाज में प्रयोग होने वाली समस्त दवाओं व आवश्यक उपकरणों की मूल्य सहित सूची कोविड-19 कन्ट्रोल रूम को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।इसके उपरांत पुलिस अधीक्षक ने बताया कि प्राइवेट एंबुलेंस संचालक मरीजों को दूसरे शहरों में ले जाने के लिए कई गुना ज्यादा किराया वसूल रहे हैं जिस पर आज पुलिस विभाग द्वारा 4 प्राइवेट एंबुलेंस संचालको पर एफआईआर दर्ज कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया कि ऐसे लोगों को चिन्हित कर आवश्यक कारर्वाई करें।सेनेटाइजेशन एवं कंटेन्मेंट जोन की समीक्षा में निर्देश दिए गए नगर पालिका एवं पंचायती राज विभाग अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार मुनादी कराते रहें। इसके साथ ही कंटेनमेंट जोन में नियमित रूप से सैनिटाइजेशन का कार्य करें। बैठक में पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार, मुख्य विकास अधिकारी अनिल कुमार पांडे अपर जिलाधिकारी वि0,रा0 अनिल कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे लवकुश त्रिपाठी, अपर पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ डी0के0गर्ग, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 अमित चतुर्वेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी महिला डॉ हरेंद्र सिंह चैहान, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ0 जे0एस0 बक्शी, जिला पंचायत राज अधिकारी अवधेश कुमार, डॉ0 मुकेश दुबे, डॉ0 राजेश भारती, जिला सूचना अधिकारी पीयूष चंद्र राय सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं चिकित्सा विभाग के अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे।

सोशल डिस्टेंशिंग में मनेगी अहिंसा के प्रवर्तक भगवान महावीर जयंती

शोभायात्रा, वार्षिक महामस्तिकाभिषेक व मंदिरों में आयोजन निरस्त

■ ललितपुर।

वैश्विक महामारी के चलते दिगम्बर जैन पंचायत समिति ने प्रमुख पर्व भगवान महावीर जयंती को सादगी एवं सोशल डिस्टेंशिंग के मध्य मनाने का निर्णय लिया है जिसके तहत सभी धर्मालुजन मंदिरों में सोशल डिस्टेंशिंग का पालन करते हुए 25 अप्रेल को महावीर जयंती पर्व श्रद्धा और भक्तिपूर्वक अपने-अपने घरों से मनाएगे। दिगम्बर जैन मंदिर क्षेत्रपाल में जैन पंचायत समिति की बैठक में अध्यक्ष अनिल जैन अंचल ने कहा करोना महामारी पूरे देश में विकाराल रूप में है ऐसे में अनेक लोग असमय ही काल के गाल में समाए। अपने अपनों से विछुडे तथा कई जिन्दगी मौत से जूझ रहे हैं। वैश्विक महामारी में प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि स्थिति की नजाकत को समझे और आपस में दूरी बनाए रखें। भगवान महावीर जयंती जैन धर्मालुओं के लिए वडे ही श्रद्धा और आस्था का पर्व हैं जिसको पूरी समाज उत्साह पूर्वक तीन दिन के आयोजनों के साथ परम्परागत ढंग से मनाती रही है लेकिन इस वर्ष यह आयोजन सीमित करके इसे घरों से ही सम्पन्न करना है मंदिरो में शासन की गाइड लाइन के तहत केवल देवदर्शन ही होगे। नगर में निकलने वाली परम्परागत शोभायात्रा कविसम्मेलन आदि कार्यक्रम निरस्त कर दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त वणी कालेज की भूमि पर होने वाला वार्षिक अभिषेक कार्यक्रम भी नहीं होगा। उन्होने समाज के स्वजातीय बन्धुओं से आग्रह किया संकट के दौर में जीवन को सुरक्षित रखें और आपस में सोशल डिस्टेंशिंग का पालन करें। संचालन करते हुए महामंत्री डा0 अक्षय टडैया ने बताया कि पिछले वर्ष करोना के दौर में महावीर जयंती पर पूरी समाज ने सोशल डिस्टेंशिंग के तहत पालन कर 11 लाख 11 हजार रूपए की एकत्रित दानराशि प्रधानमंत्री सहायता कोष में देकर जो गरिमा बताई उसको इस वर्ष भी बनाए रखना है। उन्होने कहा करोना के गम्भीर दौर में समाज के दानी महानुभावों के सहयोग से चिकित्सा के क्षेत्र में रणनीति बन रही है उम्मीद है शीघ्र ही पूर्ण होगी और जनहित सार्वजनिक किया जाएगा।

16 हजार गुटका का पाउच बरामद, जगह-जगह है अनाधिकृत भंडारण

■ कालपी।

जमाखोरी एवं कालाबाजारी करने में लिप्त लोगों पर नकेल कसने के लिए पुलिस प्रशासन के द्वारा कार्यवाही की गई है। स्थानीय कोतवाली की टरननगंज चौकी इंचार्ज उपनिरीक्षक कमल प्रताप सिंह ने मुख्य बाजार में परचून की दुकान में छापा मारकर संभावित तंबाकू मिश्रित 16हजार से अधिक पाउचों को बरामद करने में सफलता हासिल की है।उप निरीक्षक कालपी के मुख्य बाजार टरननगंज में हमराह सिपाहियों के साथ भ्रमण कर रहे थे मुखबिर की सूचना पर आरोपी संजय गुप्ता की परचून की दुकान से 16128 पाउच संभावित गुटको का बरामद कर लिया। उपनिरीक्षक ने बताया कि बरामद गुटको को खाद्य सुरक्षा अधिकारी को शैम्पूलिंग में देकर परीक्षण कराया जाएगा। परिक्षण रिपोर्ट मिलने के बाद आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जाएगी। इधर बताते हैं कि संभावित लॉकडाउन को मद्देनजर रखकर मुनाफाखोरी करने के लिए कालपी बाजार के स्टोकेस्ट तथा बड़े दुकानदारों ने अपने अपने गोदामों तथा रिश्तेदारों के घरों में अनाधिकृत ढंग से भंडारण कर दिया है एवं गुटको का डेढ़ गुना कीमत पर खुलेआम बेचने में लिप्त है स्थानीय प्रशासन गुटको का भंडारण को चिन्हित करने में लगा है समझा जाता है कि जल्द ही कारर्वाई होगी।

साप्ताहिक बंदी पर बाजार बंद रखने का प्रशासन ने किया फरमान जारी

जालौन। साप्ताहांत कोरोना कर्फ्यू में प्रशासन द्वारा बाजारबंदी के दिन भी दुकानें बंद रखने की घोषणा करवाई। अब नगर का बाजार मंगलवार को ही खुलेगा।नगर के बाजार में प्रशासन द्वारा घोषणा करवाई गई कि सप्ताहांत लगने वाला कोरोना कर्फ्यू बाजारबंदी के दिन भी जारी रहेगा। नगर में सोमवार को बाजारबंदी रहती है। ऐसे में शनिवार व रविवार के साथ ही नगर का बाजार सोमवार को भी बंद रहेगा। प्रशासन द्वारा सख्त चेतावनी दी गई यदि कोरोना कर्फ्यू के दौरान कोई व्यक्ति दुकान खोलता है तो उसके खिलाफ कारर्वाई की जाएगी।

मतगणना केंद्रों में कोविड-19 निगेटिव जांच रिपोर्ट वालों को ही प्रवेश मिलेगा- सीडीओ

झाँसी। शैलेष कुमार, मुख्य विकास अधिकारी/ उप जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) ने अवगत कराया है कि राज्य निर्वाचन आयोग उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा दिये गए निर्देशानुसार जनपद में त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2021 प्रक्रिया चल रही है, जिसके अंतर्गत मतगणना की कार्यवाही दिनाँक 02 मई 2021 को प्रातः 8 बजे से प्रारंभ करायी जायेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी/ जिलाधिकारी के निर्देशानुसार जनपद के आठों विकास खण्डों के समस्त निर्धारित मतगणना केन्द्रों पर मतगणना व्यवस्था में लगे समस्त अधिकारी/ कमर्चारियों तथा निर्वाचन लड़ने वाले उम्मीदवार/गणना अभिकर्ता/ निर्वाचन अभिकर्ता का प्रवेश सक्षम अधिकारी से जारी पहचान पत्र के बिना प्रतिबंधित रहेगा। इसके अतिरिक्त समस्त प्रत्याशियों को सलाह दी है कि वह स्वयं अपनी तथा अपने निर्वाचन/ मतगणना अभिकर्ताओं की गणना तिथि से पूर्व कोविड-19 की जांच करा लें। मतगणना केन्द्र पर केवल उन्हीं उम्मीदवार तथा उनके अभिकर्ताओं को प्रवेश दिया जायेगा, जिनके पास कोविड-19 की निगेटिव जांच रिपोर्ट होगी ।

63 क्वार्टर मिलावटी देशी ठेके की शराब के साथ 02 शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

हमीरपुर। कुरारा थाना क्षेत्र में पुलिस ने 63 क्वार्टर मिलावटी देशी ठेके की शराब के साथ 02 शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।बता दें कि हमीरपुर पुलिस अधीक्षक नरेंद्र कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में पंचायत चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु चुनाव में अपराध एवं अपराधियों एवं मादक वस्तुओं की रोकथाम में चलाये जा रहे अभियान के क्रम में उमराहट गाँव के यमुना नदी किनारे ठेके की देशी शराब को मिलावट कर तैयार करने के दौरान अभियुक्त एच.एस. 224 ए सरदार उर्फ अजय सिंह पुत्र मोतीलाल व सुरेन्द्र सिंह उर्फ कल्लू पुत्र बाबू सिंह निवासी ग्राम उमराहट थाना कुरारा जनपद हमीरपुर को 63 क्वार्टर मिलावटी देशी ठेके की शराब के साथ गिरफ्तार कर बरामद किया गया। जिन पर मु0अ0सं0 99/2021 धारा 60 आबकारीअधिनियम व 272/273 क्द्धउ थाना कुरारा जनपद हमीरपुर पंजीकृत कर दोनों अभियुक्तगणो को जेल भेजा गया। उपरोक्त अभियुक्त शातिर किस्म के अपराधी हैं जिनका पूर्व का भी आपराधिक इतिहास रहा है।

रंगबाजी में एक युवक ने दूसरे के साथ की मारपीट

जालौन। रंगबाजी को लेकर एक युवक ने दूसरे युवक के साथ मारपीट कर दी। पीड़ित ने मामले की तहरीर कोतवाली में दी। पुलिस आरोपी को पकड़कर उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सुढ़ार सालाबाद निवासी अनिल कुमार कुमार ने पुलिस को बताया कि गांव के ही अरूण कुमार अक्सर उसे रंगबाजी दिखाते रहते हैं। पीड़ित का आरोप है कि सुबह वह गांव में जा रहा था। तभी रास्ते में अरुण कुमार, संतोष कुमार व गम्भीर सिंह ने उसे जबरन रोक लिया और रंगाबाजी दिखते हुए गाली, गलौज करने लगे। जब उसने गाली देने से मना किया तो उसने मारपीट शुरू कर दी। आसपास के लोगों ने उसे बचाया तो जान से मारने की धमकी दे डाली। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी को पकड़कर उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सीओ, तहसीलदार तथा वीडीओ ने किया मंडी का निरीक्षण

कालपी। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतगणना के कार्य को कुशलता पूर्वक निपटाने के लिए प्रशासन पुख्ता इंतजाम करने के लिए जुट गया है पुलिस एवं शीर्ष अफसरों ने कृषि उत्पादन मंडी समिति के मतगणना स्थल का स्थलीय निरीक्षण करके व्यवस्थाओं का जायजा लिया।क्षेत्राधिकारी वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव, तहसीलदार तहसील शशिविंद द्विवेदी ,नायाब तहसीलदार पंकज यादव, खंड विकास अधिकारी महेवा आशीष कुमार सिंह ,औचक ढंग से दोपहर को कृषि उत्पादन मंडी समिति कालपी में पहुंचे परिसर के चारों ओर सुरक्षा व्यवस्था तथा कोविड19 के बचाव की व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए घूम घूम कर जायजा लिया। इसी प्रकार मतपेटिकाओं के रखने वाले स्ट्रांग रूम को देखा गया।

जय ऑफसेट प्रेस
फ्लैक्स बैनर, कलर पोस्टर, स्टीकर, विजिटिंग कार्ड शादी कार्ड, कैलेण्डर,
कलर ब्लैक एण्ड व्हाईट न्यूज पेपर मैगजीन एवं चुनाव सामग्री
इत्यादि की प्रिंटिंग हेतु सम्पर्क करें।

ठाकुर दास प्रजापति
संचालक
मो. 6393149766, 8005203626
पता - दीनदयाल मार्केट, सैंयर गेट रोड, मिनर्वा चौराहा, झाँसी

मुद्रक,प्रकाशक,संपादक ठाकुर दास प्रजापति द्वारा जयऑफसेट प्रेस दीनदयाल मार्केट मिनर्वा चौराहा झांसी से मुद्रित एवं 469 नई बस्ती झाँसी से प्रकाशित संपादक ठाकुरदास प्रजापति पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिम्मेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र झाँसी न्यायालय के अधीन होगा। रजिस्ट्रेशन नं. यूपी एचआईएन /2015/ 64 737 फोन न. 6393149766,8005203626